WWW.Kanchanujala.in
हिन्दी दैनिक
kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 248 | लखनऊ, शुक्रवार, 28 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

फिल्मों में महिलाओं को कमतर नहीं दिखाया जाना चाहिएः भूमि

कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के सभी प्रयास जारी रखे जाएंः योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अब तक कोविड-19 के 50 लाख 80 हजार से अधिक टेस्ट किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए मेडिकल टेस्टिंग के कार्य को पूरी तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना के संक्रमण के चेन को तोड़ने के लिए सभी प्रयास जारी रखे जाएं। इस कार्य में मेडिकल टेस्टिंग के साथ-साथ सर्विलांस, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग तथा डोर-टू-डोर सर्वे की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके दृष्टिगत इन कार्यों को भी पूरी तेजी से संचालित किया जाए। कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोविड अस्पतालों में वेंटीलेटर सहित सभी मेडिकल उपकरण क्रियाशील रहने चाहिए। ऑक्सीजन का 48 घण्टे का बैकअप भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड मरीजों में एच0एफ0एन0सी0 (हाई फ्लो नेजल कैन्युला) का अच्छा रिस्पॉन्स देखने में आया है। इसके दृष्टिगत इस उपचार विधि को भी क्रियाशील रखा जाए। उन्होंने जनपद लखनऊ, कानपुर नगर, गोरखपुर तथा शाहजहांपुर में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए इन जिलों की चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश के सभी बाजारों की साप्ताहिक बन्दी शनिवार व रविवार को ही रहेगी। राज्य में प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को स्वच्छता, सेनिटाइजेशन एवं फॉगिंग का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इन कार्यों से जहां कोरोना की चेन को तोड़ने में मदद मिल रही है, वहीं संचारी रोगों पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है। उन्होंने जिलाधिकारियों को बाजारों की साप्ताहिक बन्दी सख्ती से लागू कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा बाढ़ प्रभावित जनता के लिए सभी प्रकार की मदद की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित लोगों को मकान के क्षतिग्रस्त होने पर मुआवजा अविलम्ब उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को खाद की उपलब्धता में कोई असुविधा न होने पाए, इसके लिए खाद की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के साथ-साथ खाद की सुगम आपूर्ति के लिए सभी प्रबन्ध किए जाएं। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास तथा पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ऑक्सीजन का 48 घण्टे का बैकअप भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहना चाहिए

पहली बार कोरोना के 75 हजार से अधिक नये केस

सक्रिय मामलों में बड़ी वृद्धि

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पहली बार कोरोना संक्रमण के एक दिन में 75 हजार से अधिक नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या 33 लाख के पार हो गयी है तथा इस दौरान संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहने से सक्रिय मामले 18 हजार से अधिक बढ़ गये। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 75,760 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 33,10,235 हो गया। कोरोना मरीजों की संख्या में हुई यह रिकॉर्ड वृद्धि दुनिया के किसी भी देश में एक दिन में दर्ज किया गया तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले अमेरिका में 17 जुलाई को 76,930 और 25 जुलाई को 78,427 मामले सामने आए थे जबकि भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या में सबसे बड़ा उछाल 22 अगस्त को दर्ज किया गया था। उस दिन भारत में 70,488 लोगों का कोरोना वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया था। पिछले 24 घंटों के दौरान 56,013 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 25,23,772 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामलों में 18,724 की वृद्धि हुई है और इनकी संख्या 7,25,991 हो गयी है। देश के केवल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दौरान मरीजों की संख्या कम हुई है तथा इस अवधि में 1023 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 60,472 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 21.93 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 76.24 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.83 प्रतिशत है।

जीएसटी राजस्व कमी की भरपाई के लिए राज्यों के सामने दो विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक के बाद वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोनोवायरस महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि एक्ट ऑफ गॉड के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था का संकुचन हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि 5 घंटे लंबी जीएसटी काउंसिल की बैठक में राज्यों की क्षतिपूर्ति के दो विकल्पों पर चर्चा हुई। केंद्र के आकलन के अनुसार चालू वित्त वर्ष में क्षतिपूर्ति के रूप में राज्यों को 3 लाख करोड़ रुपये की जरूरत होगी। इसमें से 65,000 करोड़ रुपये की भरपाई जीएसटी के अंतर्गत लगाए गए उपकर से प्राप्त राशि से होगी। इसीलिए कुल कमी 2.35 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वहीं एजी का स्पष्ट मत था कि क्षतिपूर्ति अंतर को भारत के समेकित कोष से पूरा नहीं किया जा सकता है। विकल्प 1 को जीएसटी काउंसिल को प्रस्तुत किया गया था, जो आरबीआई के परामर्श से 97000 करोड़ रुपये उचित दर दर पर प्रदान करने के लिए राज्यों को एक विशेष विंडो प्रदान करे। राजस्व सचिव ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह पर बहुत बुरा असर पड़ा है। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी की कमी को पूरा करने के लिए जिन विकल्पों पर चर्चा की गई है, वे केवल चालू वित्त वर्ष के लिए हैं। जीएसटी परिषद अगले साल अप्रैल में इस मुद्दे पर फिर से विचार करेगी। बैठक में अनुराग ठाकुर, वित्त राज्य मंत्री (स्ब्सस्), विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (ज्ञ) के वित्त मंत्री और केंद्र सरकार और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। 5 घंटे की लंबी मुलाकात के बाद, जीएसटी परिषद ने मीडिया के साथ एक वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस की। वित्त सचिव ने बताया, ÷ केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए जीएसटी मुआवजे के रूप में 1.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक जारी किए।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के बाहर चली गोली

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के पास गोली चलने से सनसनी फैल गयी गोली चलने से वहां तैनात एक कांस्टेबल घायल हो गया है जख्मी कांस्टेबल का नाम दिनेश कर्मकार है वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास के बाहर सुरक्षा में तैनात था गुरुवार सुबह सीएम आवास के निकट स्थित पुलिस कियॉस्क में वह ड्यूटी कर रहा था सुबह 6 बजे गोली चली और वह गंभीर रूप से घायल हो गया गोली उसके गाल में लगी है लहूलुहान जवान को कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती किया गया है खबर पाकर कालीघाट थाना की पुलिस के अलावा कोलकाता पुलिस मुख्यालय लाल बाजार के अधिकारी भी वहां पहुंचे पुलिस के मुताबिक, दिनेश कर्मकार की कियॉस्क में नाइट ड्यूटी थी बुधवार रात से वह पर था।

आत्मनिर्भर भारत के लिए सरकार और उद्योग जगत को नये रास्ते खोजने होंगेः राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न विकट चुनौती का सामना करते हुए सरकार और उद्योग जगत को मिलकर ऐसे उपाय और रास्ते खोजने होंगे जिससे देश आत्मनिर्भर बनने के साथ साथ विश्व के विकास में योगदान कर सके।

श्री सिंह ने आज यहां वाणिज्य संगठन फिक्की , रक्षा मंत्रालय और रक्षा उद्योग जगत के एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि देश आजादी के बाद से ही अलग-अलग स्तर पर स्वावलंबन के लिए प्रयास करता रहा है और यह हमारी परंपरा से लेकर आधुनिक सोच में रचा बसा है। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता हमारे आत्म विश्वास का संबल है और देश के सभी महापुरूषों और सरकारों ने अपने-अपने तरीके से इसमें योगदान दिया है तथा इस दिशा में प्रयास किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान दिया है। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की हमारी सोच को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से अलग होने की दिशा में नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि भारत संपूर्ण विश्व के विकास में योगदान के लिए आत्मनिर्भर होकर अपना योगदान देना चाहता है। उन्होंने कहा कि सभी को आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए राष्ट्रीय संकल्प लेना होगा और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाना होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण देश ही नहीं दुनिया भर में गंभीर परिस्थिति बनी हुई है और हमारा उद्योग जगत भी इससे अछूता नहीं है। फिक्की ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद विकास दर शून्य से 4 दशमलव पांच प्रतिशत कम रहने का अनुमान व्यक्त किया है जो चिंताजनक है। सामाजिक तथा सांस्कृतिक स्तर पर भी बड़ी विचित्र स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग जगत सब को मिलकर इस चुनौती से निपटना होगा और मिल बैठकर इसके लिए नये रास्ते तथा उपाय करने होंगे।

भारत एकमात्र देश जो चीन से नजरें मिलाकर देख सकाःवरुण गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता वरुण गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत एकमात्र देश है जो सीमा पर अपने सैनिकों की ताकत की बदौलत चीन से नजरें मिलाकर देख सका है और चीन को अपने शक्तिशाली पड़ोसी को उकसाने की रणनीतिक भूल माननी पड़ेगी। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण ने कहा कि इतने साल के संघर्ष के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होते देखना हनुमान जी के भक्त के तौर पर उनके लिए स्वप्न का साकार होने जैसा है। पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर के भूमिपूजन को देश के स्वतंत्रता दिवस से जोड़ते हुए वरुण ने कहा, अगस्त 1947 में भारत का नियति से साक्षात्कार (ट्रिस्ट विद डेस्टिनी) हुआ था। अब भारत का पुनर्जागरण हुआ है और यह अपनी सभ्यताओं के साथ फिर संपर्क स्थापित कर रहा है।

आरबीआई गवर्नर ने दिये ब्याज दरों में और कमी किये जाने के संकेत

मुंबई, एजेंसी। रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने ब्याज दरों में आगे और कटौती किये जाने के संकेत देते हुए आज कहा कि कोरोना वायरस महामारी से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए किए गए उपायों को जल्दबाजी में नहीं हटाया जाएगा। श्री दास ने एक वर्चुअल सम्मेलन में कहा कि ब्याज दर में कटौती हो या फिर अन्य नीतिगत कदम उठाये जायें उनके पास अभी कदम उठाने के विकल्प हैं। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने इस महीने के पहले सप्ताह में जारी मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दरों में कोई बदलाव नहीं किया था। केंद्रीय बैंक इससे पहले पिछली दो बैठकों में नीतिगत दर में 1.15 प्रतिशत की कटौती कर चुका है। श्री दास ने कहा कि महामारी की रोकथाम के बाद अर्थव्यवस्था को मजबूती के रास्ते पर लाने के लिए सावधानी के साथ आगे बढ़ना होगा। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर केंद्रीय बैंक द्वारा घोषित राहत उपायों के बारे में उन्होंने कहा कि किसी भी तरह से यह नहीं मानना चाहिए कि आरबीआई उपायों को जल्द हटा लेगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप और अन्य पहलुओं पर एक बार स्पष्टता होने के बाद आरबीआई महंगाई दर और आर्थिक वृद्धि पर अपने पूर्वानुमान देना शुरू कर देगा। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, बैंकिंग क्षेत्र लगातार मजबूत और स्थिर बना हुआ है और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एकीकरण सही दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा कि बैंकों का आकार जरूरी है, लेकिन दक्षता इससे भी महत्वपूर्ण है। बैंक तनाव का सामना करेंगे, यह जाहिर सी बात है, लेकिन अधिक महत्वपूर्ण यह है कि बैंक चुनौतियों के समक्ष किस तरह से प्रतिक्रिया देते हैं और उसका सामना करते हैं।

एससी/एसटी को कैटेगरी के आधार पर भी आरक्षण दे सकते हैं राज्यः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि उसके 2004 के फैसले पर फिर से विचार किए जाने की जरूरत है जिसमें कहा गया था कि शैक्षणिक संस्थानों में नौकरियों और प्रवेश में आरक्षण देने के लिए राज्यों के पास अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों (एससी/एसटी) का उपवर्गीकरण करने की शक्ति नहीं है। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि ई वी चिन्नैया मामले में संविधान पीठ के 2004 के फैसले पर फिर से गौर किए जाने की जरूरत है और इसलिए इस मामले को उचित निर्देश के लिए चीफ जस्टिस के समक्ष रखा जाना चाहिए। पीठ में न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी, न्यायमूर्ति विनीत सरन, न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस भी शामिल थे।

श्रीनगर में पीडीपी की रैली को पुलिस ने किया विफल

कई नेता हिरासत में

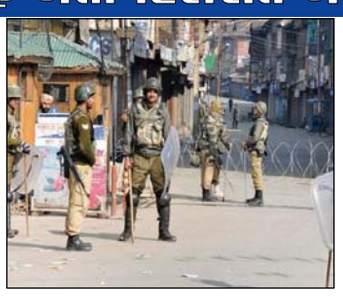

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में गुरुवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की विरोध प्रदर्शन रैली को पुलिस ने विफल करते हुए कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। ये प्रदर्शनकारी पूर्व मुख्यमंत्री एवं पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और कई अन्य नेताओं को रिहा करने की मांग कर रहे थे। सुश्री मुफ्ती की पुत्री इल्तिजा मुफ्ती ने पीडीपी नेताओं की नजरबंदी के विरोध में रैली निकालने का प्रयास करने वालों को हिरासत में लिये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि दबाव के जरिए स्थिति को सामान्य बनाया जा रहा है जिसका खुलासा हो गया है। श्रीनगर में आज पार्टी मुख्यालय में पार्टी प्रवक्ता हरबक्श सिंह, हमीद कोहशीन और राउफ भट सहित पीडीपी के कई कार्यकर्ता और नेता एकत्र हुए। ये सभी लोग हाथ में बैनर लिए हुए थे जिनमें लिखा था, हम शांति और शराफत से जीना चाहते हैं, मानवाधिकार का उल्लंघन बंद करो आदि नारे लिखे हुए थे। पीडीपी नेताओं ने विरोध रैली निकालने का प्रयास किया और अपने नेताओं और अन्य कश्मीरियों को जिनको पिछले साल अगस्त से जम्मू-कश्मीर से बाहर नजरबंद किया गया है उनकी रिहाई की मांग कर रहे थे। पीडीपी नेता ने हांलाकि जैसे ही पार्टी कार्यालय से बाहर निकलने का प्रयास किया, इलाके में तैनात सुरक्षा कर्मी हरकत में आए और उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों के पीछे नहीं हटने पर सुरक्षा बलों ने हरबक्श सिंह, हमीद कोहशीन और राउफ भट सहित कई नेताओं को हिरासत में ले लिया।

किसान योनो ऐप पर खरीद सकेंगे बीज

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक के 'योनो कृषि ऐप' से देश के करोड़ों किसान अब बीज खरीद सहित सरकारी योजनाओं तथा बैंक की सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने बुधवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर), बेंगलुरु के 'बीज पोर्टल' का भारतीय स्टेट बैंक के 'योनो कृषि ऐप' के साथ एकीकरण कर लोकार्पण किया । इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष रजनीश कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। दोनों ऐप के एकीकरण से देश के करोड़ों किसान, बीज खरीद सहित सरकारी योजनाओं तथा बैंक की विविध सुविधाओं का लाभ डिजीटली ले सकेंगे। श्री तोमर ने कहा कि कृषि का क्षेत्र चुनौतीपूर्ण रहा है, इसके बावजूद किसानों के अथक परिश्रम और वैज्ञानिकों के अनुसंधान तथा सरकारी की नीतियों के कारण यह क्षेत्र देश में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। देश की खाद्यान्न आवश्यकताओं को पूरी करने के साथ ही जीडीपी में योगदान देने की दृष्टि से भी कृषि क्षेत्र का महत्व है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए केन्द्र सरकार ने अनेक योजनाओं को संचालित किया है। बागवानी का कृषि क्षेत्र में 32 प्रतिशत योगदान हैं, जिसे बढ़ाने की जरूरत है। बागवानी में किसानों को उनके उत्पादों का वाजिब मूल्य मिलने की पूरी उम्मीद रहती है, कम रकबे में भी अच्छा उत्पादन कर किसान अपनी माली हालत सुधारने में सफल हो सकते है। कृषि मंत्री ने कहा कि उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही सरकारी मदद गांव-गांव और सभी किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है किसानों का हक कोई नहीं मार पाए, इसके लिए सरकार का डिजीटल इंडिया पर जोर रहा है।

प्रकाश जावड़ेकर ने फेक न्यूज को बताया खतरनाक

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने गुरुवार को कहा कि पेड न्यूज से कहीं ज्यादा खतरनाक फर्जी खबरें (फेक न्यूज) हैं और इस खतरे से निजात पाने के लिए डिजिटल सामग्री प्रकाशित करने से पहले उन्होंने स्वनियमन की आवश्यकता पर बल दिया। उद्योग जगत के संगठन एआईएमआईए की ओर से आयोजित एक डिजिटल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जावड़ेकर ने कहा कि फर्जी खबरों के मुकाबले पेड न्यूज बहुत ही हल्का है। फर्जी खबरों में शांति भंग करने की प्रबल ताकत होती है। सोशल मीडिया मंचों पर जनता की राय में छेड़छाड़ कर उसे दिखाना सार्वजनिक जीवन में एक गंभीर खतरे के रूप में उभरा है। जावड़ेकर ने कहा कि फर्जी खबरों से दुनियाभर के देश प्रभावित हुए हैं और बहुत से देश इसके खतरे से निपटने के लिए कदम भी उठा रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को लेकर हमारा कमिटमेंट सिर्फ कागजी नहींःपीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को लेकर उनका कमिटमेंट सिर्फ बातचीत या कागजों तक ही सीमित नहीं है। इसके कार्यान्वयन के लिए एक के बाद एक कदम उठाये गए हैं। रक्षा उत्पादन में आत्म निर्भरता पर आयोजित एक वेबिनार के दौरान गुरुवार को पीएम मोदी ने कहा कि बहुत लंबे समय से देश में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति पर निर्णय नहीं हो पा रहा था, ये निर्णय नए भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि भारत में रक्षा उत्पादन से जुड़े स्टेक हॉल्डर्स आज इस कार्यक्रम में मौजूद हैं। आज यहां हो रहे मंथन से जो परिणाम मिलेंगे उससे, आत्मनिर्भरता के हमारे प्रयासों को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, पिछले कुछ वर्षों में हमारा प्रयास इस सेक्टर से जुड़ी सभी बेड़ियां तोड़ने का है। हमारा उद्देश्य है कि भारत में ही उत्पादन बढ़े, नई तकनीक भारत में ही विकसित हो, और प्राइवेट सेक्टर का इस क्षेत्र में अधिकतम विस्तार हो, इसके लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि दशकों से आयुध कारखानों को सरकारी विभागों की तरह ही चलाया जा रहा था। एक सीमित विजन के कारण देश का नुकसान तो हुआ ही, साथ ही वहां काम करने वाले मेहनती, अनुभवी और कुशल श्रमिक वर्ग का भी बहुत नुकसान हुआ। पीएम मोदी ने आगे कहा कि सीडीएस के गठन के बाद सेना के तीनों अंगों में पर समन्वय बेहतर हुआ है। इससे डिफेंस उपकरणों की खरीद को स्केल-अप करने में मदद मिल रही है। आने वाले दिनों में डोमेस्टिक इंडस्ट्री के लिए ऑर्डर्स का साइज भी बढ़ने वाला है। उन्होंने कहा कि हाल ही में 101 डिफेंस आइटम्स को पूरी तरह से घरेलू खरीद के लिए सुरक्षित कर दिया गया है। इस लिस्ट को और व्यापक बनाया जाएगा, इसमें और आईटम जुड़ते जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, आधुनिक उपकरणों में आत्मनिर्भरता के लिए तकनीकी अपग्रेडेशन जरूरी है। जो उपकरण आज बन रहे हैं, उनका नेक्स्ट जेनरेशन तैयार करने पर काम करने की भी जरूरत है। इससे लिए डीआरडीओ के अलावा निजी क्षेत्र और एकेडिमिक इंस्टीट्यूट्स में भी काम किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि डिफेंस कॉरिडोर पर तेजी से काम चल रहा है।

कोरोना महामारी को देखते जी एवं जेईई की परीक्षा केा स्थगित करने की माँग को लेकर राजभवन के समक्ष सपा के यूथ ब्रिग्रेट द्वारा धरने पर बैठे सपा के सदस्यो को लाठी चार्च के उपरान्त घसीट कर गिरफ्तार कर बस मे घुसेडती पुलिस।

वन रक्षक के पद पर तैनात कर्मचारी ने लगाई फांसी

जांच में जुटी पुलिस

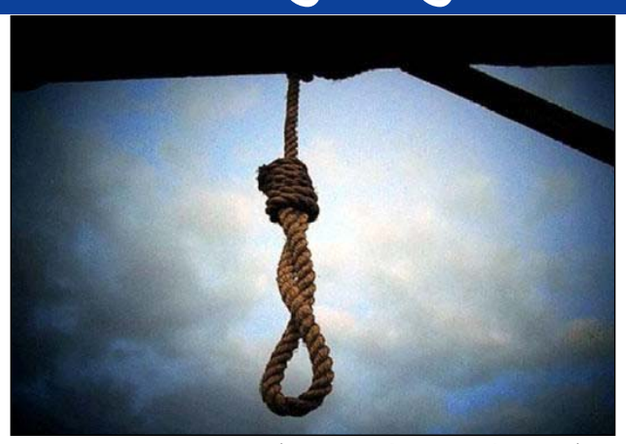

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर से सुसाइड का मामला सामने आया है। दरअसल राजधानी लखनऊ के विकासनगर थाना क्षेत्र में वन विभाग के एक कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौक पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि शव के पास से पुलिस को किसी भी तरह का सुसाइड नोट नहीं बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान माणिक चंद के रूप में हुई है, जिसकी उम्र लगभग 50 साल बताई जा रही है। मृतक माणिक चंद कुकरैल वन विभाग में वन रक्षक के पद पर तैनात था और विकास नगर थाना क्षेत्र स्थित विष्णुपुरी सचिवालय कॉलोनी में रह रहा था।

शुरुआती पूछताछ में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि मृतक नशे का आदी था और उसने बीती बुधवार की रात चादर के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। हालांकि पुलिस ने इस मामले को लेकर कहा है कि जांच की जा रही है और अभी कुछ भी साफ नहीं कहा जा सकता है। पुलिस का यह भी कहना है कि मृतक के परिवार में उसकी पत्नी और दो बेटे भी हैं, जिनमें से एक बेटे की उम्र 8 साल और दूसरे की उम्र 12 साल बताई गई है।

कोरोना काल में परीक्षार्थियों के रहने खाने का इंतजाम करे सरकार:अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोरोना संक्रमण काल में प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन के सरकार के फैसले को बेतुका करार देते हुए कहा कि सरकार को छात्रों के स्वास्थ्य की परवाह नहीं है, साथ ही मांग की कि जेईई और नीट परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिये परिवहन की व्यवस्था और रहने खाने का इंतजाम सरकार को करना चाहिये। भाजपा के खिलाफखुले पत्र में यादव ने गुरूवार को लिखा कि भाजपा की तरफ से हास्यास्पद और तकर्हीन बातें फैलायी जा रही है कि जब लोग अन्य कामों से घर से बाहर निकल रहे है तो परीक्षा क्यों नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि ऐसी बाते कहने वालों को पता होना चाहिये कि लोग मजबूरी में घरों के बाहर निकल रहे है जबकि सरकार परीक्षा के नाम पर उन्हे घर से बाहर निकलने पर विवश कर रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा देने निकले किसी परीक्षार्थी अथवा अभिभावक को कोरोना संक्रमण हो जाता है और उनके संपर्क में आये घर के बुजुर्ग भी संक्रमित हो जाते है तो क्या सरकार उसकी कीमत चुकायेगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना और बाढ की वजह से ट्रेन बसे बाधित है और बाहर रहने और खाने की बेहद दिक्कत है, ऐसे मे अगर परीक्षा कराई जाती है तो छात्रों के आने जाने, रहने और खाने पीने की व्यवस्था कराई जानी चाहिए। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार समझ चुकी है कि बेरोजगारी से त्रस्त युवा और बाढ कोरोना से रोजी रोजगार गंवा चुका मध्यम वर्ग उसे वोट नहीं देगा और यही कारण है कि सरकार युवाओं से बदला ले रही है। वह अच्छी तरह जानती है कि सत्ता में वह दोबारा नहीं लौटेगी। उन्होने नारा दिया '' जान के बदले एग्जाम, नहीं चलेगा, नहीं चलेगा।

राजधानी के जिला कारागार में कैदी ने की आत्महत्या

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के जिला कारागार में एक कैदी ने गुरुवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक बंदी अमन लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र के बल्दीखेड़ा का रहने वाला था। अमन सितंबर 2018 से हत्या के आरोप में जेल भेजा गया था। सूत्रों के अनुसार दो दिन पहले बैरक बदलने के दौरान अमन के साथ कुछ बंदियों ने मारपीट की थी। अमन के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। अमन कारागार के सर्किल 1 में बंद था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात अमन ने अपनी बैरक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिला कारागार अधीक्षक ने इस पूरे मामले की न्यायिक जांच कराए जाने की बात कही है।

जमाखोरों एवं मुनाफाखोरों के हित में यूरिया खाद का यह कृत्रिम अभाव पैदा किया गया: माकपा

लखनऊ, संवाददाता। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल ने अपनी बैठक के बाद प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा उत्तर प्रदेश का किसान यूरिया खाद के घोर अभाव के संकट से जूझ रहा है। जमाखोरों एवं मुनाफाखोरों के हित में यूरिया खाद का यह कृत्रिम अभाव पैदा किया गया। एक तरफ जहां कोआपरेटिव पर खाद की बेहद कमी या अनुपलब्धता बनी हुई है वहीं दूसरी तरफ बाजारों में अधिक दाम देने पर ब्लैक में पर्याप्त खाद उपलब्ध है। कोआपरेटिव पर्याप्त खाद उपलब्धता का सरकारी दावा झूठा साबित हो रहा है। क्या कारण है कि मुख्यमंत्री की चेतावनी के बाद भी कालाबाजारी धड़ल्ले से जारी है। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों, मजदूरों, गरीब एवं मध्यम उपभोक्ताओं के ऊपर बिजली दर वृद्धि का एक और बोझ बिजली दरों के स्लैब को कम करके लादने जा रही है। नलकूप धारक किसानों के लिए मनमानी तरीके से बिजली हार्सपावर में वृद्धि की जा रही है। कई जिलों में 12 से 13 हार्सपावर के हिसाब से किसानों से वसूली शुरू हो चुकी है। बाढ़ से प्रभावित जिलों में फसलों का भारी नुकसान हुआ है और सरकार अभी नुकसान का आंकलन भी नहीं करा पायी है। माकपा राज्य सचिव मण्डल ने मांग की है कि किसानों के लिए यूरिया खाद का पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए फौरन ठोस कदम उठाये जायें। बिजली दरों का स्लैब कम करके आम उपभोक्ताओं पर बोझ न डाला जाय और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में फसल बर्बादी का कम से कम तीस हजार रूपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाय।

बीए,बीएससी,बीकॉम प्रथम सेमेस्टर सत्र 2020-21 में प्रवेश के आवेदन की अंतिम तिथि 05 सितम्बर

लखनऊ, संवाददाता। सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि शिया पी0 जी0 कालेज, लखनऊ में सत्र 2020-21 में स्नातक स्तर पर बी0ए0,बी0एससी0,बी0कॉम0 प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि 05 सितम्बर, 2020 है। डॉ0 एम0एम0 अबु तैय्यब, डायरेक्टर, एडमिशन कमेटी ने जानकारी देते हुये बताया कि आवेदन आनलाइन विधि से महाविद्यालय के एडमिशन पोर्टल पर जाकर किया जा सकता है। आफलाइन विधि से फार्म महाविद्यालय के सीतापुर रोड, डालीगंज परिसर तथा विक्टोरिया स्ट्रीट, नक्खास परिसर से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रवेश हेतु काउंसिलिंग के लिये आवश्यक निर्देश महाविद्यालय की वेबसाइट अथवा एडमिशन पोर्टल पर अपलोड कर दिये जायेंगे। यह निर्देश महाविद्यालय के आफिशियल फेसबुक पेज पर भी देखे जा सकते हैं।

आईएएस अनुराग केस, सीबीआई क्लोजर खारिज, पुनर्विवेचना के आदेश

लखनऊ, संवाददाता। विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, सीबीआई सुव्रत पाठक ने कर्नाटक कैडर के आईएएस अफसर अनुराग तिवारी की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के संबंध में उनके भाई मयंक तिवारी द्वारा दायर प्रोटेस्ट याचिका को स्वीकार करते हुए सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज करते हुए अग्रिम विवेचना के आदेश दिए हैं,कोर्ट ने यह आदेश मयंक की अधिवक्ता डॉ नूतन ठाकुर तथा सीबीआई के अधिवक्ता को सुनने के बाद पारित किया,सीबीआई ने यह कहते हुए केस बंद कर दिया था कि मृतक द्वारा किसी बड़े घोटाले का पर्दाफाश करने या उनके बड़े अफसरों द्वारा मृत्यु का भय होने के आरोपों की मौखिक, लिखित तथा तकनीकी साक्ष्यों से पुष्टि नहीं हो सकी,नूतन ने कोर्ट को बताया कि सीबीआई द्वारा विवेचना के कई महत्वपूर्ण बिन्दुओ को नजरंदाज किया गया था तथा उन्होंने यह पूरी विवेचना पूर्वाग्रहपूर्ण दृष्टिकोण के साथ इस केस को दुर्घटना बताने के उद्देश्य से संपादित की. इस प्रक्रिया में सीबीआई ने कई सारे तथ्यों एवं साक्ष्यों को दरकिनार किया, कई महत्वपूर्ण फॉरेंसिक साक्ष्यों को छोड़ दिया एवं पोस्ट मार्टम रिपोर्ट की जानबूझ कर गलत व्याख्या की, उन्होंने बताया कि प्रोटेस्ट प्रार्थनापत्र में विवेचना की समस्त खामियों को प्रस्तुत करते हुए अंतिम रिपोर्ट को निरस्त करते हुए एसपी रैंक के अधिकारी से विवेचना करवाए जाने की प्रार्थना की गयी है,कोर्ट ने इन तथ्यों के आधार पर क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर अग्रिम विवेचना के आदेश दिए हैं।

27 घंटे बाद भी कोविड टेस्ट नहीं

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस अफसर अमिताभ ने अस्वस्थ्य होने की स्थिति में कोरोना संक्रमण की सम्भावना के मद्देनजर कल 26 अगस्त 2020 को लगभग 11 बजे इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेण्टर लखनऊ के फोन नंबर 05224523000 को फोन कर कोविड टेस्ट हेतु अनुरोध किया. यह कम्प्लेन संख्या 200826648 पर दर्ज हुआ, कोई भी रेस्पोंस नहीं आने पर आज अमिताभ द्वारा दुबारा कमांड सेण्टर फोन किया गया. इसके बाद भी अब तक कोरोना तेत नहीं हुआ है, अमिताभ ने इस संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मुख्य सचिव को भी शिकायत भेज कर संज्ञान लेने व समुचित कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

राजनैतिक दवाब में फर्जी मुठभेड़ मानवाधिकार आयोग को शिकायत

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने 07 अगस्त 2020 की रात जसराना, फिरोजाबाद निवासी स्थानीय नेता डॉ रामपाल सिंह के जसराना पुलिस से हुए कथित मुठभेड़ को गलत बताते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से इस संबंध में जाँच की मांग की है,जसराना पुलिस ने दावा किया था कि थाना क्षेत्र में पनचक्की पुल कुशियारी पर 08.05 हुई मुठभेड़ में 25 हजार के एक इनामी बदमाश किशनपाल यादव को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से एक कट्टा मिला और डॉ रामपाल यादव फरार हो गत। नूतन के अनुसार डॉ रामपाल सिंह ने उन्हें बताया कि किशनपाल ईनामिया बदमाश था किन्तु उसे कथित घटनास्थल से 10-12 किलोमीटर जसराना बायपास चोपला चौराहे से समय 07.30 बजे निहत्थे पकड़ा गया था, इसी प्रकार डॉ रामपाल सिंह 07 से 09 बजे रात में एटा रोड, जसराना स्थित अपने आवास व कार्यालय पर थे तथा उनके पास इस संबंध में सीसीटीवी फूटेज भी है।

एलडीए ने मुख्तार अंसारी के डालीबाग में अवैध कब्जे पर चलाया बुलडोजर

लखनऊ, संवाददाता। संगठित अपराध की रीढ़ तोड़ने की उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की कवायद के तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने गुरूवार तड़के पूर्वांचल के माफिया डान और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) विधायक मुख्तार अंसारी के बेटों के नाम यहां दर्ज दो अवैध इमारते बुलडोजर चला कर जमीदोज कर दी। भारी पुलिस बल के साथ एलडीए के अधिकारी लाव लश्कर के साथ हजरतगंज क्षेत्र के पाश इलाके डालीबाग पहुंचे और कालोनी के निकट बाहुबली विधायक की दो इमारतों के ध्वस्तीकरण की कारवाई शुरू कर दी। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि ध्वस्तीकरण का नोटिस 11 अगस्त को जारी किया गया था। जेसीबी मशीन से इमारतों को ढहा दिया गया है। उन्होंने बताया कि एलडीए प्रशासन अवैध इमारतों के मालिकों से बिल्डिंग तोड़ने में आया खर्च और अब तक का किराया भी वसूलेगी। उन्होने बताया कि इस निर्माण के लिए जिम्मेदार रहे तत्कालीन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कारवाई होगी। मऊ सदर के विधायक मुख्तार अंसारी की अवैध संपत्तियों पर सरकार नजर रखे हुये है। इससे पहले वाराणसी, मऊ और गाजीपुर में विधायक के अवैध कब्जों पर कारवाई की जा चुकी है। बसपा विधायक फिलहाल पंजाब की एक जेल में निरूद्ध हैं। ध्वस्तीकरण की कारवाई में 200 से अधिक पुलिस कर्मियों ने हिस्सा लिया जबकि मौके पर दो दर्जन से अधिक जेसीबी मशीन मंगायी गयी थी। ध्वस्तीकरण दस्ते से मुख्तार के बेटों अब्बास और उमर की झड़प भी हुई लेकिन टीम ने गेट का ताला तोड़ दिया और सामान निकाल कर कारवाई की। सूत्रों ने बताया कि शत्रु संपत्ति पर किसी भी तरह का निर्माण नहीं कराया जा सकता।

छात्रा की दुराचार के बाद हत्या

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी में छात्रा की दुराचार के बाद हत्या की घटना में बृहस्पतिवार को अपराधियों के खिलाफ एनएसए लगाने सहित कठोर कार्रवाई के निर्देश दिये। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पांच लाख रूपये की आर्थिक सहायता का ऐलान किया। प्रवक्ता के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। योगी ने कहा कि राज्य सरकार प्रकरण की फास्ट ट्रैक अदालत में सुनवायी कराकर अपराधियों को जल्द से जल्द सजा दिलवाएगी।उल्लेखनीय है कि छात्रा प्रवेश के लिए आनलाइन फार्म भरने कस्बे के साइबर कैफे गयी थी, लेकिन वापस नहीं आई। परिजन रात भर उसे खोजते रहे।

अपने घरों में शरियते मुहम्मदी के तालिमात व कलमात पर गौर करें

लखनऊ, संवाददाता। आज राष्ट्रीय समाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने जारी अपने बयान में कहा कि लम्बे समय तक मुसलमानों को हाथ मे तस्बीह , एक कंधे पर बंदूक और गले मे अरबी गमछा लपेटे बड़ी दाढ़ी और मुंडी मूछों के साथ लगातार दिखा कर आपकी आतंकी छवि सफलता के साथ रची गई। हिंदी फिल्मों की पहली साजिश करीब करीब पूरी हो चुकी है। अब निशाने पर हैं आपकी बेटीयाँ हैं। जी हाँ पिछले कुछ दिनों में एक नया ट्रेंड देखने मे आ रहा है जिसमे मुस्लिम लड़की गैर मुस्लिम लड़के से सच्चा प्यार करती है दोनों एक दूसरे के लिए जान देने,लेने को तैयार हैं वगैराह। वीर जारा, एक था टाइगर, इद्दर से होता ये सिलसिला इश्कजादे में अपने उरूज पर पहुंचाया गया हाल ही मैं खुदा हाफिज, गुलाबो सिताबो और कई अन्य फिल्मो में यही देखने मे आ रहा है। प्रेम से मेरा कोई बैर नही लेकिन मेरी चिंता इस साजिश को लेकर है क्योंकि मैं गवाह हूँ मुस्लिमो की छवि कैसे आतंकवादी की बनाई गई। क्या अगला निशाने पर हमारी बेटियाँ हैं? क्या आपको नही लगता की उनके दिमाग मे बैठाया जा रहा है कि ये आम बात है अगर उन्हें मॉडर्न होना, या दिखना है तो गैर मुस्लिम से इश्क करने में बुराई नही? क्या ये आपके परिवार में विवाद पैदा करने की साजिश नही? याद रखिये जब पहली दफा मुसलमान को आतंकी दिखाया गया तब आपने नही सोंच था कि इस साजिश से पूरा समाज की आतंकवादी इमेज गढ़ दी जाएगी। इसलिए इसका हल आपको अभी ढूंढना है । हल क्या है ये आप भी सोंचे पहले इस साजिश को तस्लीम करें। अपने बच्चों को सही ,गलत की तालीम देना हमारा काम है। उन्हें अपने पास बैठाकर उनसे बात करें इस तरह के खतरे से आगाह करें, इस साजिश को बेनकाब करें। उन्हें दुनिया के साथ दीन की ,समाज की तालीम दें। इसे हल्के में लेने की जुर्रत न करें वरना पता भी नही लगेगा और हमारे घरों में सेंध लग चुकी होगी। उन्हें बताएँ छोटे कपड़े, शराब खोरी, नशाखोरी से इंसान मॉडर्न नही बनता मॉडर्न बनता है अपनी सामाजिक वेल्यु से अपने इल्म से। जो मैंने महसूस किया आपको सावधान किया अब आप की बारी है। इस पैलाम को समाज के हर वर्ग और खासतौर से मुस्लिम समुदाय में पहुंचाने का काम करें और इस समस्या का समाधान अपने स्तर पर करें। अंत में मुहम्मद आफाक ने कहा कि हम आपने माशरे को शरियत के नज़रिये से देखें सैफ अली खांन, आमिर खान, शाहरूख खान और नवाब पटौदी के नज़रिये से नहीं अपने मुस्लिम बच्चे व बच्चियों को इन साम्प्रदायिक ताकतों से बचायें।

कोरोना महामारी की त्रासदी झेल रही देश की जनता की जेब पर डाका क्यों डाला जा रहा

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि आज दुनिया की बाजार में कच्चे तेल की कीमत में रिकॉर्ड गिरावट आयी है। सरकार की नीति थी कि दुनिया की बाजार में कच्चे तेल की कीमत के हिसाब से पेट्रोल एवं डीजल की कीमत तय की जायेगी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस समय काफी दिनों से लगभग 42-43 डॉलर प्रति बैरल पर कच्चे तेल की कीमत स्थिर है, एक बैरल में 159 लीटर होता है, इस हिसाब से लगभग 21 रुपये प्रतिलीटर कच्चे तेल की कीमत पड़ती है। टैक्स सहित बाजार मे 30- 35 रुपये प्रतिलीटर पेट्रोल बेंचा जाना चाहिए किन्तु आज बाजार में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 82 रुपये है, तथा डीजल लगभग 74 रुपये प्रतिलीटर की दर से बेंचा जा रहा है। कोरोना महामारी की त्रासदी झेल रही देश की जनता की जेब पर डाका क्यों डाला जा रहा है? क्या इसलिये कि बड़े पूँजीपतियों अंबानी के रिलायंस और अडानी के पेट्रोल पम्प को ज्यादा से ज्यादा मुनाफा फायदा हो सके ?श्री तिवारी ने कहा है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दुनिया की बाजार में कच्चे तेल की कीमत 110- 120 तथा 149 डॉलर प्रति बैरल थी तब पेट्रोल लगभग 60 रुपये प्रतिलीटर से भी कम कीमत में बेंचा जा रहा था, और आज दुनिया के बाजार में कच्चे तेल की कीमत एक तिहाई से भी अधिक कम हो गयी है तो पेट्रोल 82 रुपये और डीजल 74 रुपये प्रति लीटर बेंचा जा रहा है, जबकि कच्चे तेल की कीमत में रिकॉर्ड गिरावट होने के कारण इसे 30- 35 रुपये प्रतिलीटर की दर से बेंचा जाना चाहिए- दोगुने से भी अधिक कीमत पर इसे बेंचा जा रहा है । क्या इसलिये कि एक लीटर पर लगभग 52- 55 रुपये का मुनाफा पूँजीपतियों अंबानी एवं अडानी के पेट्रोल कमा सकें ?केन्द्र सरकार का यह रवैया नाकाबिले बर्दाश्त है। एक तरफ जनता कोरोना काल के लॉकडाउन से पीड़ित है, उसकी जेब में पैसे नहीं है, और दूसरी तरफकच्चे तेल की कीमत में भारी कमी होने के बावजूद भी बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमत आसमान छू रही है। आदरणीय प्रधानमंत्री देश की जनता पर ''रहम'' कीजिये ।श्री तिवारी ने कहा है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है, चारों तरफ''जंगलराज'' स्थापित हो गया है, दिन दहाड़े जघन्य से जघन्य अपराध हो रहे हैं, लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पत्रकारिता पर हमले हो रहे हैं, पत्रकारों की हत्यायें हो रही है, अभी दो दिन पूर्व बलिया में राष्ट्रीय सहारा के पत्रकार रतन सिंह की हत्या थाना फेफना से चन्द कदम की दूरी पर निर्ममता पूर्वक कर दी गयी। अधिवक्ताओं पर हमले हो रहे हैं, उनकी हत्यायें हो रही हैं। अपराधियों में शासन- प्रशासन का तनिक भी भय नहीं रहा और वे जघन्य वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, बुद्धिजीवी वर्ग से लेकर आम जनता तक अपने को असुरक्षित महसूस कर रही है, ।प्रदेश की कानून व्यवस्था इस तरह ध्वस्त हो चुकी है कि आये दिन मासूम बच्चियों के साथ हो रही दरिंदगी से दिल दहल गया है। जनपद लखीमपुर खीरी के ग्राम धवरपुर की रहने वाली एक छात्रा इण्टरमीडिएट में एडमीशन हेतु ऑनलाइन फार्म भरने गयी थी जिसकी हत्या कर दी गयी, इसी तरह थाना ईशानगर क्षेत्र में दिनांक- 16 अगस्त, 2020 को एक 13 साल की मासूम बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गयी। इसी प्रकार प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रायः मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार या सामूहिक बलात्कार करके उनकी निर्मम हत्या किये जाने की घटनायें होती रहती है, सरकार द्वारा कोई ठोस कदम न उठाने के कारण दिन प्रतिदिन इस तरह की अमानवीय घटनाओं में वृद्धि हो रही है।

नीट और जेईई परीक्षा के विरोध में सपा का राजभवन के सामने प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखनऊ, संवाददाता। नीट और जेईई परीक्षा के विरोध में गुरूवार को समाजवादी पार्ट (सपा) कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में राजभवन के बाहर प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ता कोरोना के मद्देनजर प्रतियोगी परीक्षा नहीं कराये जाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से उनकी नोकझोंक हुयी, बाद में उन्हें तितर बितर करने के लिये पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। गौरतलब है कि सपा अध्यक्ष जेईई और नीट की परीक्षा के सरकार के फैसले का लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ सकते हैं जिसका सीधा असर उनके परिवार और घर के बुजुर्गों पर होगा।

प्रदेश में 2 सप्ताह का लॉक डाउन प्रभावी किए जाने के लिए मुख्यमंत्री को भेजा मेल

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने मुख्यमंत्री के आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक विस्तृत पत्र भेजकर प्रदेश में 15 दिन का लॉकडाउन प्रभावी किए जाने की अपील किया है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति अवगत कराया है कि प्रदेश में 5000 से भी अधिक कोविड-19 के रोगी प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सबसे अधिक कोविड के रोगी हैं।

राजधानी में स्थित कई सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी कोविड के शिकार हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश पॉल्यूशन बोर्ड नगर निगम, स्वास्थ्य भवन, राजस्व परिषद, लखनऊ विश्व विद्यालय,जवाहर भवन, लोक भवन एवं सचिवालय के कई अन्य विभागों के साथ-साथ प्रदेश के दर्जनों विभागों में कोरोना अपने पैर प्रसार चुका है । कई विभागों के कर्मचारी व अधिकारी कोविड-19 की चपेट में हैं, ऐसे में प्रदेश में कार्यालयों का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है तथा कर्मचारियों में कोविड-19 का डर भी बढ़ता जा रहा है। जे एन तिवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि प्रदेश में कुल आबादी का लगभग 1: कोविड-19 से प्रभावित हो गई है। लखनऊ में कोविड मरीजों की संख्या देश की कुल 24 मरीजों की संख्या का 11.66: है। कानपुर नगर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर एवं बरेली शहरों में 5000 या उससे अधिक कोविड रोगी हैं। प्रदेश के 33 जिलों में 2000 से भी अधिक कोविड रोगी हैं। प्रदेश की जनता कोविड के बढ़ते हुए प्रकोप से चिंतित है। जे एन ने मुख्यमंत्री से अपील किया है कि कृपया प्रदेश के उन जनपदों में जहां पर बवअपक मरीजों की संख्या 2000 के आसपास या उससे अधिक है ,15 दिन का लॉक डाउन प्रभावी करने पर विचार करें। इससे कोरोना को भगाने में लगे कर्मचारियों को कुछ राहत मिलेगी ,कार्यालयों का प्रॉपर सैनिटाइजेशन हो जाएगा तथा कोरोना की चेन भी ब्रेक होगी।जे एन तिवारी ने मुख्यमंत्री को भेजे अपने पत्र में अवगत कराया है कि आज से 10 दिन पूर्व उत्तर प्रदेश में कुल कोविड रोगियों की संख्या 131763 थी, जो अब बढ़कर दो लाख से अधिक हो गई है। अर्थात लगभग 69000 से भी अधिक रोगी विगत 10 दिनों में बढ़ गए हैं। 10 दिन पूर्व प्रदेश में रोगियों की संख्या प्रदेश की जनसंख्या के अनुपात में 0.62: थी, जो अब बढ़कर 0.093: हो गयी है। 10 दिन पूर्व प्रदेश में कोविड रोगियों की संख्या पूरे देश के कोविड रोगियों की संख्या की 5. 65: थी जबकि यह संख्या अब बढ़कर 6.10: हो गई है। उत्तर प्रदेश में कोविड रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हालांकि प्रदेश में रिकवरी रेट में काफी सुधार हुआ है ।10 दिन पहले कोविड मरीजों का रिकवरी रेट 61: था जबकि अब 73: से अधिक हो गया है । प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या में भी काफी कमी आई है फिर भी प्रदेश में निरंतर बढ़ रहे कोवीद के मरीजों का आंकड़ा डराने लगा है।

दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा आदर्श व्यापार मण्डल का कारवॉ

➲ कई पदों पर की गयी नियुक्तियॉ, चित्रकूट के होटल में निःशुल्क रुक सकेंगे संगठन के लोग
➲ टेली फिल्म निर्माता रितिक शुक्ला समेत नव मनोनीत पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

फतेहपुर । आदर्श व्यापार मंडल की मासिक बैठक प्रधान कार्यालय कलेक्टरगंज में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय अध्यक्ष प्रदीप गर्ग ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीषा गुप्ता ने किया। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री काली शंकर श्रीवास्तव ने किया। बैठक में कई पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र भी दिया गया। इस दौरान प्रांतीय अध्यक्ष प्रदीप गर्ग ने कहा कि आदर्श व्यापार मंडल नित्य नए आयामों को छू रहा है। इसी के चलते चित्रकूट में कामतानाथ मंदिर के बिल्कुल सामने निर्माणाधीन गर्ग होटल में एक बड़ा हाल संगठन के सदस्यों के ठहरने हेतु उपलब्ध होगा जो कि

पूर्णतया संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों के लिए निशुल्क होगा।
प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संगठन का परिवार दिनों-दिन बढ़ता चला जा रहा है। उसका कारण है इस संगठन में सिद्धांत व अनुशासन को साथ रखकर कार्य किया जा रहा है। साथ ही सदस्यों की समस्याओं को भी निरंतर संगठन के पदाधिकारी उठाकर उस पर त्वरित कार्यवाही करने का भी काम कर रहे हैं। इस दौरान तमाम नए सदस्यों का माल्यार्पण कर उनका संगठन ने स्वागत किया गया। इस दौरान एक टेली फिल्म का निर्माण कर रहे रितिक शुक्ला को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वही मनीषा गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में प्रमुख रूप से बिंदकी अध्यक्ष मुनींद्र तिवारी, कोषाध्यक्ष कुलवंत, भिटौरा अध्यक्ष सुबोध शुक्ला, निरंजन श्रीवास्तव, राजीव गुप्ता, गोपाल पुरवार, राधेश्याम गुप्ता, घनश्याम गुप्ता, दीपचंद शुक्ला, अजय पुरवार, सौरभ, अनिमेष अग्रहरी, तरुण पुरवार, मान सिंह लोधी, देव गुप्ता, अभिषेक बाजपेई, हिमांशु यादव, देवनाथ धाकड़े, रिशु तिवारी सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे।

इस दौरान संरक्षक सदस्य पद पर रामकृपाल मिश्रा, संतोष सचान को भी मनोनीत किया गया, तो वहीं व्यापार प्रकोष्ठ का आचार्य पुरोहित दुर्गादत्त शास्त्री को मनोनीत किया गया। विधिक सलाहकार अमित रस्तोगी एडवोकेट, सुनील कुमार श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया। जिला उपाध्यक्ष पद पर इन्देश चंद्र श्रीवास्तव, जिला कोषाध्यक्ष पद पर राजीव गुप्ता, विधिक सलाहकार सिविल आशीष गौड़ एडवोकेट, अध्यक्ष जिला होम डेकोरेट योगेश चंद्र, संगठन मंत्री नगर प्रशांत पटेल, युवा उपमंत्री नगर अशरफ खान प्रचार मंत्री शहर दक्षिणी आलोक सिंह व सदस्य के रूप में मोहम्मद आजम, विवेक सिंह, देवेंद्र कुमार की नियुक्ति की गई।

जादू है कबाड़ का धंधा, छूते ही बन गये करोड़पति

फतेहपुर-इलाहाबाद हाईवे, आबूनगर डाक बंगला के निकट व लखनऊ बाईपास में धड़ल्ले से काटे जा रहे वाहन

सूत्रों की मानें तो इस खेल में पुलिस समेत कई सफेदपोशों का हासिल है संरक्षण

फतेहपुर । ''जादू है कबाड़ का धंधा, छूते ही बन गये करोड़पति'' उक्त वाक्यों की गहराई को अगर गौर किया जाए तो इसके पीछे कितना बड़ा राज छिपा है, सबकुछ जग जाहिर होने में समय न लगेगा। अगर सूत्रों की मानें तो कभी कड़ी मशक्कत कर अपना व परिवार का पेट पालने वाले आज करोड़ों में खेल रहे है तो इसमें तनिक भी अतिश्योक्ति न होगी। ऐसा नही है कि कबाड़ के धंधे के पीछे किया जा रहा खेल किसी से छिपा है, किन्तु पुलिस व बड़े सफेदपोशों की सांठ-गांठ से इन दिनों यह कारोबार जिले में परवान चढ़ता जा रहा है।

बताते चलें कि शहर क्षेत्र के फतेहपुर-इलाहाबाद बाईपास सुल्तानपुर के निकट व लखनऊ बाईपास नूरूलहुदा स्कूल के आगे समेत आबूनगर डाक बंगले के सामने एक गली में वाहनों को काटने का काम धड़ल्ले से जारी है। सूत्रों की मानें तो इन कारखानों में जायज-नाजायज दोनो तरह के वाहनों को काटने का काम किया जा रहा है। सूत्रों का तो यहॉ तक कहना है कि जो लोग कभी अपने परिवार का पेट पालने के लिए कड़ी मशक्कत करते थे आज देखते ही देखते ही ऐशो-आराम का जीवन जी रहे है। शहर के पीरनपुर इलाके में तो कबाड का कारोबार करने वाले व्यापारियों ने हद ही पार कर रखी है। पूरी फुटपाथ पर कब्जा जमा रखा है जहॉ पुराने वाहन व कबाड़ इकट्ठा किया जाता है, जिसके चलते आये दिन मार्ग दुर्घटनाएं होती रहती है।

विद्युत खामियों को दूर करने की मांग

फतेहपुर । बिजली समस्या को लेकर भाजपा पदाधिकारियो ने अवर अभियंता विद्युत उपकेन्द्र चौडगरा को ज्ञापन सौंपते हुए पोषित गांवो में सौभाग्य योजना से हुये विद्युतीकरण की खामियो को दूर करने की मांग किया।

श्रमिकों की पुत्रियों को बांटी गयी साइकिल

फतेहपुर । विकास भवन परिसर में मुख्य विकास अधिकारी सत्य प्रकाश ने संत रविदास शिक्षा सहायता योजना में पंजीकृत श्रमिकों की पुत्रियों जिन्होंने हाईस्कूल, इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा अगली कक्षा में प्रवेश लिया है, उन मेधावी बालिकाओं को साइकिल वितरण किया जिनमे कु0 शबाना, कु0 गायत्री, कु0 प्रज्ञा, कु0 स्वाती एवं कु0 प्रियंका को योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बालिकाओं को लगन और ईमानदारी के साथ पढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया।
सहायक श्रमायुक्त सुविज्ञ सिंह ने बताया कि श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिको के हितार्थ संचालित योजना में वर्ष-2020 में हाईस्कूल/इंटरमीडिएट में पास छात्राओं के विद्यालय आवागमन की सुविधा प्रदान किया जाने के उद्देश्य से योजना संचालित है। उन्होंने सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है की जो भी श्रमिक निर्धारित अहर्ताएं पूर्ण करते हो वे आवश्यक अभिलेखों के साथ अपने आवेदन कार्यालय में जमा करें, ताकि अधिक से अधिक निर्माण श्रमिको को योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में मिशन मोड़ प्रोजेक्ट के अंतर्गत श्रमिक पंजीयन एवं नवीनीकरण का अभियान चल रहा है, जो भी निर्माण श्रमिक अभी तक पंजीकृत नही हुए है वे अपने नजदीकी जन सुविधा केन्द्र में अपना फोटो, आधार कार्ड, बैंक पासबुक व न्यूनतम 90 दिनों का निर्माण कार्य करने संबंधी स्वघोषणा के साथ अपना ऑनलाइन पंजीयन करा सकते है। जिसका वर्सगिक शुल्क 40 रूपये व तीन वर्षीय शुल्क 80 रूपये है। इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी राजेश श्रीवास्तव, रामवृक्ष, प्रधान सहायक गोविन्द लाल गुप्ता, मनोज शुक्ला, रश्मि दीक्षित, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

दो देशी बमों के साथ शातिर अपराधी चढ़ा हत्थे

जहानाबाद, फतेहपुर । थाना पुलिस को उस समय सफलता मिली जब थाने के कस्बा इंचार्ज नीरज कुशवाहा अपने हमराहियों हेड कांस्टेबल बृजभूषण पटेल, कांस्टेबल रवि कुमार, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार के साथ में गश्त पर थे तभी मुखबिर ने सूचना दिया कि बैंक ऑफबड़ौदा के सामने टॉकीज वाली गली के पास चाय की दुकान कस्बा कोड़ा में एक लड़का बम लिए खड़ा हुआ है। कस्बा इंचार्ज ने हमराहियों के साथ उपरोक्त जगह पर दबिश दिया तो उक्त लड़का पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने दौड़ाकर लड़के को पकड़ा और तलाशी लेने पर उसके कब्जे से दो देशी बम जिंदा मिले। पूछने पर अपना नाम छोटू शाह पुत्र माशूक उम्र 19 वर्ष निवासी बंबा ऊपर कस्बा कोड़ा बताया। पुलिस ने पकड़े गये अभियुक्त को थाने लाकर पूंछताछ किया तो पता चला कि उपरोक्त अपराधी का मुकदमा बकेवर में पहले से ही चल रहा था। थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष शर्मा ने बताया कि उपरोक्त अपराधी शातिर है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में आगामी त्यौहार को देखते हुए अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अनुपालन में कस्बा प्रभारी नीरज कुशवाहा द्वारा मुखबिर की सूचना पर दो देसी बम के साथ अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। जिसके विरुद्ध मुकदमा संख्या 178/2020 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

कांग्रेसियों ने ज्ञापन सौंपकर जेईई व नीट परीक्षा स्थगित करने की उठाई मांग

राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में कोरोनावायरस संक्रमण से छात्र-छात्राओं को बचाने की मांग

बिन्दकी, फतेहपुर । कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा, जिसमें आगामी दिनों में होने वाली जेईई व नीट परीक्षा को स्थगित करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में कोरोनावायरस संक्रमण चल रहा है। ऐसी स्थिति में परीक्षा कराए जाने से कोरोनावायरस संक्रमण से छात्र-छात्राएं प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सरकार को परीक्षाएं स्थगित कर देनी चाहिए।
गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार सिद्धांत सिंह को सौंपा। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में कांग्रेस पार्टी के लोगों ने कहा कि आगामी 01 सितंबर तथा 06 सितंबर को जेईई तथा नीट की प्रवेश परीक्षाएं होना है। वर्तमान समय में कोरोना वायरस

महामारी चल रही है। ऐसी स्थिति में प्रवेश परीक्षाएं कराना छात्र-छात्राओं के हित में नहीं है। छात्र-छात्राएं महामारी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को और प्रवेश परीक्षा कराने वाली संस्था को फिलहाल स्थगित कर देना चाहिए और जब आने वाले समय में कोरोना वायरस संक्रमण का प्रभाव कम हो उस समय प्रवेश परीक्षाएं करानी चाहिए। नायब तहसीलदार सिद्धांत सिंह ने कांग्रेस पार्टी के लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी यह मांग ऊपर तक पहुंचाने का काम करेंगे। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव तथा सभासद शोएब खान के अलावा कांग्रेस पार्टी के आकाश शुक्ला, अभिषेक बाजपेई, आशुतोष शुक्ला, आफ्ताब आलम खान, सलमान खान, संदीप गुप्ता, सिराज अहमद आदि मौजूद रहे।

इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रानिक व्यापार मण्डल ने चलाया सदस्यता अभियान

फतेहपुर । उद्योग व्यापार मण्डल की सम्बद्ध इकाई इलेक्ट्रिक इलेक्ट्रॉनिक संगठन के जिलाध्यक्ष मो0 अंजुम व नगर अध्यक्ष वकील अहमद के नेतृत्व में नगर क्षेत्र में सदस्यता अभियान चलाते हुए 63 व्यापारियों को संगठन का सक्रिय सदस्य बनाया गया। समस्त सदस्यों को संगठन का प्रमाणपत्र व एक लाख रुपए का दुर्घटना बीमा प्रदान किया जाएगा। जिलाध्यक्ष मो0 अंजुम ने कहा कि शीघ्र संगठन का विस्तार करने हेतु समस्त तहसीलो, कस्बो व ग्रामो में भ्रमण करते हुए इकाइयों का गठन किया जाएगा। साथ ही व्यापारियों की समस्याओं को एकत्र करते निदान की प्रक्रिया पर पहल की जायेगी। नगर अध्यक्ष वकील अहमद ने कहा कि नगर के समस्त इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रॉनिक व्यापारियों को संगठन का सदस्य बनाया जा रहा है। प्रथम चरण में 300 व्यापारियों को संगठन का सदस्य बनाने का लक्ष्य प्रस्तावित है जिसे शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

कीटो से फसलों से बचाने के लिए जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने साझा की जानकारी

फतेहपुर । जिला कृषि रक्षा अधिकारी सत्येन्द्र सिंह ने जनपद के किसानों को अवगत कराया है कि खरीफ में उगाई जाने वाली खाद्यान्न फसलों में धान का प्रमुख स्थान है, जिसमें कीट/रोग के फलस्वरूप उत्पादन प्रभावित होता है ,उनकी रोकथाम के लिए निम्न उपाय है। धान की फसल में कीट/रोग नियंत्रण हेतु फसल दीमक फसल से पूर्व दीमक के नियंत्रण हेतु व्यूवेरिया बैसियाना की 2.5 किलो ग्राम मात्रा को 60 -75 किलोग्राम गोबर में मिलाकर 10 दिन तक छाया में रखने के उपरांत एक हेक्टेयर खेत में कीट छीटकर जुताई कर देना चाहिए। क्लोरोपायरीफास 20 प्रति ईसी की 2.5 लीटर मात्रा सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करें। जड़ की सूंडी कीट के नियंत्रण हेतु कारटॉप हाइड्रोक्लोराइड 4 प्रतिशत दानेदार रसायन 20 से 25 किलोग्राम मात्रा का 3 से 5 सेंटीमीटर स्थिर पानी में बुरकाव अथवा क्लोरीपायरीफास 20 प्रतिशत 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग किया जाना चाहिए। बंका, हिस्पा, पत्ती, लपेटक एवं तना छेदक कीट नियंत्रण हेतु कार्बोफ्यूरान दानेदार 20 किलोग्राम अथवा कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4जी0 18 किलोग्राम 3 से 5 स्थिर पानी में प्रयोग करें। हरा, भूरा एवं सफेद पीठ वाला पुदका नियंत्रण हेतु कार्बोफ्यूरान 3जी0 20 किलोग्राम 3 से 5 सेंटीमीटर स्थिर पानी में अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत ईसी 350 मिली अथवा एजाडिरेक्टिन जीरो से 15 प्रतिशत ईसी 2.50 लीटर प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें। भूरा पुदका कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस0एल0 की 50 मिलीलीटर मात्रा को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। गांधीबग एवं सैनिक कीट इसके नियंत्रण हेतु एजाडिरेक्टिन जीरो से 15 प्रतिशत 2.50 प्रति हेक्टेयर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जीवाणु झुलसा रोग में पत्तियों पर नसों के बीच कत्तई रंग की लंबी-लंबी धारियों बन जाती हैं ,नियंत्रण हेतु स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट 90 प्रतिशत ट्रेट्रासाइकिलिन हाइड्रोक्लोराइड 10 प्रतिशत 15 ग्राम मात्रा एवं 500 ग्राम कॉपर ऑक्सिक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्लूपूपी के साथ मिलाकर प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर धान की फसल में छिड़काव करें। सीथ ब्लाइट रोग में पत्र कंचुल शीथ पर अनियमित आकार के धब्बे बनते हैं जिसका किनारा गहरा भूरा तथा मध्य भाग हल्के रंग का होता है नियंत्रण हेतु कर्बेडीजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यू यूपी 500 ग्राम अथवा थायोसीनेट मिथाइल 70 प्रतिशत डब्ल्यू यूपी एक किलोग्राम या प्रोपिकोनाजोल 25 प्रतिशत ईसी 500 मिली प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। झोंका रोग में पतियों पर आंख की आकृति के धब्बे बनते हैं जो मध्य में राख के रंग तथा किनारे गहरे कत्थई रंग के होते हैं जो पुष्प शाखाओं एवं गांठो पर काले भूरे धब्बे बनते हैं नियंत्रण हेतु मईकोजेब 75 प्रतिशत डब्लू यूपी रसायन 2 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर अथवा जिनेब 75 प्रतिशत डब्लू यूपी 2 किलोग्राम को 500 से 600 पानी में घोलकर छिड़काव करें। खैरा रोग के नियंत्रण हेतु 5 किलोग्राम जिंक सल्फेट को 20 किलोग्राम यूरिया अथवा ढाई किलोग्राम बुझे हुए चूने का प्रति हेक्टेयर की दर से लगभग 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। कंडुआ रोग हेतु 2.5 ग्राम थीरम अथवा 2 ग्राम कर्बेंडाजिम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधन करें।

मोहर्रम पर्वःथाने में आयोजित हुई पीस कमेटी की बैठक

❑ किसी भी प्रकार के आयोजन पर रहेगी रोक ❑ भीड़ इकट्ठा करने पर होगी कार्यवाही

जहानाबाद, फतेहपुर । मोहर्रम पर्व को लेकर पीस कमेटी की बैठक पर ताजियादारों को प्रशासनिक अधिकारियों ने सुनाया फरमान। मोहर्रम का पर्व इस बार सार्वजनिक स्थानों में नहीं मनाया जाएगा तथा ताजियादारों को किसी भी प्रकार का आयोजन नहीं किए जाने की भी दिशा निर्देश दिए गए। आपको बता दें कि गुरूवार को थाना परिसर पर बिंदकी उपजिलाधिकारी आशीष कुमार, क्षेत्राधिकारी योगेंद्र मलिक, अधिशासी अधिकारी कुलवंत सिंह सहित थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष शर्मा की मौजूदगी मे बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने शासन का फरमान सुनाते हुए बताया कि इस बार मोहर्रम पर्व पर किसी प्रकार का आयोजन नहीं होगा तथा सार्वजनिक रूप से निकलने वाले जुलूस भी नहीं निकाले जाएंगे। उप जिलाधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा मिली गाइड लाइन का अनुपालन कराया जाएगा। किसी भी प्रकार के आयोजन या भीड़ इकट्ठा करने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर हनीफ मौलवी, लल्लन खाँ, अयाज उर्फ गोपी खाँ, बराती, जरीब बाबा, मुस्लिम सहित तमाम ताजिएदारों, सभासद रिजवान कुरैशी, मिर्जापुर मकरंदपुर ग्राम प्रधान शानदार नकवी आदि मौजूद रहे।

मोना ओमर बनाए गए डिस्ट्रिक्ट ओलंपिक एसोसिएशन के जिला सचिव

बिन्दकी, फतेहपुर । नगर के रहने वाले लक्ष्मीचंद्र उर्फ मोना ओमर को डिस्टिक ओलंपिक एसोसिएशन आफ फतेहपुर का जिला सचिव नियुक्त किया गया है। उनके मनोनयन पर खेल प्रेमियों ने खुशी का इजहार किया है। नगर के मोहल्ला महाजनी गली के रहने वाले समाजसेवी लक्ष्मी चंद्र उर्फ मोना ओमर को डिस्टिक ओलंपिक एसोसिएशन आफ फतेहपुर का जिला सचिव नियुक्त किया गया है। मोना ओमर ने बताया कि उनकी नियुक्ति प्रदेश सचिव युजन पाल द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि डिस्टिक ओलंपिक एसोसिएशन के माध्यम से तलवारबाजी को प्रोत्साहन दिया जाएगा। जनपद के कई स्थानों पर तलवारबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जो भी खिलाड़ी श्रेष्ठ निकलेगा उसे प्रदेश स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर भेजने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तलवारबाजी जैसी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लोगों का जल्दी चयन किया जाएगा जिससे जनपद के खिलाड़ियों को एक बेहतर और सुनहरा मौका मिलेगा।

वृद्धावस्था पेंशन से वंचित न हों निराश, यूं करें आवेदन

जिलेभर में 47,229 बुजर्गों को मिल रहा योजना का लाभ

फतेहपुर । वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने को लेकर समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना का लाभ उन सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के बाशिंदों को दिया जाता है, जिनकी उम्र 60 साल से अधिक हो। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों की सालाना आय 48,400 रुपये एवं शहरी क्षेत्र के निवासियों की सालाना आय 56,460 रुपये से अधिक न हो। योजना के तहत वृद्धजन को 500 रुपये प्रति माह की दर से चार तिमाही किस्तों में पेशन की धनराशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाती है। जिले के 47,229 बुजर्गों को इस योजना का लाभ मिल रहा है।

ऐसे करें आवेदन और संशोधन

जिला समाज कल्याण अधिकारी केएस मिश्रा ने बताया कि योजना का लाभ पाने के लिए सम्बन्धित वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करें पर क्लिक करें, अब नए खुले पेज में 'न्यू एंट्री फॉर्म' पर क्लिक करें, फॉर्म में मांगी गई जानकारियां भरें और प्रपत्रों की कॉपी भी अपलोड करें। अब 'सेव' पर क्लिक करते ही पंजीकरण संख्या जनरेट हो जाएगी। फार्म भरते समय यदि आपसे कोई गलती हो गई है तो इसके सेव होने के बाद फाइनल सबमिट पर जाकर गलतियों को ठीक किया जा सकता है। इसके बाद फाइनल सबमिट बटन पर क्लिक करें, अब फार्म में कोई संशोधन नहीं हो सकेगा और आपका फार्म जांच के लिए स्वतः सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली पर पहुंच जाएगा। इसके बाद आवेदक को फॉर्म का प्रिंट आउट और सभी दस्तावेजों की कॉपी जिला समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय में 01 माह के अंदर जमा करना होगा। उन्होने बताया कि आवेदन करने के लिए संबंधित व्यक्ति की एक फोटो, जन्म/आयु प्रमाण पत्र, पहचान प्रमाण पत्र वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि में से कोई एक, बैंक पासबुक, आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। उन्होने बताया कि लाभार्थियों का चयन ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत के माध्यम से और शहरी क्षेत्र में उप जिलाधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से किया जाता है। ग्राम पंचायत द्वारा प्रेषित प्रस्ताव खंड विकास अधिकारी कार्यालय के माध्यम से जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को भेजा जाता है। प्राप्त प्रस्ताव को जांच के बाद मंजूर करते हुए पेंशन की सहायता राशि लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण की बड़ी कारवाई

लखनऊ में मुख्तार अंसारी के बेटों के डालीबाग में बने दो टावर जमींदोज किये

लखनऊ। एलडीए पुलिस प्रशासन समेत ढाई सौ से अधिक पुलिसकर्मी और 20 से अधिक जेसीबी लगीं मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास व उमर अंसारी के टावर मौके पर हुई झड़प, पुलिस ने खदेड़ा एलडीए ने सुबह सवेरे चलाया बुलडोजर, ध्वस्त किया माफिया की इमारत शत्रु संपत्ति पर क़ब्ज़ा कर बना ली दो मंजिला इमारत माफियाओं के खिलाफ योगी सरकार की नजरें टेढ़ी एलडीए संयुक्त सचिव ऋतु सुहास ने 11 अगस्त को जारी किया था शस्त्रीकरण आदेश।

रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक में एसबीआई अधिकारियों ने की शिरकत

हर संभव मदद देने का स्थानीय स्टेट बैंक मुख्य प्रबन्धक ने दिया आश्वासन

फतेहपुर । रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के पटेल नगर स्थित कार्यालय में शाखा अध्यक्ष मूलचन्द्र द्विवेदी की अध्यक्षता में गुरूवार को एक विशेष बैठक आयोजित हुई। जिसमे भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा से आये मुख्य प्रबंधक मीन प्रसाद उपाध्याय, डीएसएच एवं सहायक प्रबंधक मानस मिश्रा ने पेंशनर्स के हित में बैंक द्वारा दी जा रही योजनाओ, सुविधाओं, पेंशन लोन पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य प्रबंधक ने कहा कि पेंशनर को किसी भी प्रकार की कठिनाई हो तो वह उनके संज्ञान में लाये उसका तुरंत निदान किया जाएगा। शाखा सचिव मो. तकी ने लाक डाउन के कारण नए पेंशनर्स को पेंशन वितरण में तेजी लाने के उपाय

आदि पर चर्चा की। कोषाध्यक्ष राकेश अग्निहोत्री ने पेंशन पोर्टल ऐप को सरल बनाने का प्रस्ताव रखा जिसे मुख्य प्रबंधक ने उचित कार्यवाही हेतु भेजने का आश्वासन दिया। बैठक में आगामी नवंबर माह में जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन जमा करने के तरीको पर प्रकाश डाला गया। बैठक में शाखा अध्यक्ष मूलचन्द्र द्विवेदी, मो0 तकी, राकेश अग्निहोत्री, जेपी सिंह आदि मौजूद रहे।

नफरत बेचो, मुनाफा कमाओ

कुछ वाकई में मनोरोगी जैसे दिख रहे थे। लोगों का बहुलांश चिथड़े लपेटे और निरक्षर किसानों का था, जो तुत्सी के प्रति नफरत की भावना से आसानी से उन्माद में आ सकते थे। मैं जिनसे मिला उनमें शायद सबसे भयावह लोग थे शिक्षित राजनीतिक अभिजात, आकर्षक व्यक्तित्व वाले और नफासत भरे स्त्री और पुरूष, जो दोषरहित फ्रेंच बोलते थे और जो युद्ध और जनतंत्र पर लम्बी दार्शनिक बहस में आसानी से शामिल हो सकते थे। लेकिन सिपाहियों और किसानों के साथ वह एक चीज साझा कर रहे थे- वे अपने देशवासियों के खून में डूबे हुए थे। फरगाल काने बीबीसी पत्रकार द्वारा अपनी किताब सीजन आफ ब्लड, ए रवान्डन जर्नीश् में लिखी इन बातों को पढ़ते हुए मुमकिन है कि आप अन्दर ही अन्दर सहम जायें। वर्ष 1994 में रवांडा में हुए संगठित और सुनियोजित कत्लेआम में 8 लाख तुत्सी मार दिए गए थे। इसे एक विचित्र संयोग कहा जाना चाहिए कि इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के महज डेढ साल पहले दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले इस मुल्क को भी अपने समय की एक प्रलयकारी कहे जा सकनेवाले दौर से गुजरना पड़ा था, जब हिन्दुत्व वर्चस्ववादी ताकतें एक लम्बे एवं खूनी अभियान के बाद पांच सौ सदी पुरानी एक मस्जिद को तबाह करने में कामयाब हुई थीं। मस्जिद के इस विध्वंस के पश्चात पूरे मुल्क में बड़े पैमाने पर दंगे हुए थे- जो बंटवारे के बाद अब तक के सबसे बड़े दंगे थे- जब हजारों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी, और उसने ऐसे घाव किए थे जो आज तक भर नहीं सके हैं। दोनों त्रासदियों ने इस बात को उजागर किया कि मीडिया- जिसके बारे में यह सोचा जाता है कि वह लोगों को सशक्त कर रहा है- वह किस तरह अपने विपरीत में तब्दील हो सकता है, उसने हमें बताया कि किस तरह वह साधारण लोगों को जंगली पशुओं में तब्दील कर सकता है और उन्हें अपने खुद के पड़ोसियों पर कहर बरपा करने के लिए तैयार कर सकता है। इतिहासकारों ने इस बात को रेखांकित किया है कि किस तरह मीडिया-खासकर रेडियो-ने रवांडा के जनसंहार में एक विभाजनकारी और हिंसक भूमिका अदा की, किस तरह कुख्यात आरटीएलएम रेडियो पर चलने वाले कार्यक्रमों में तिलचट्टों को खत्म करने का आवाहन किया जाता था, किस तरह आने वाले खूनी हमलों की जमीन तैयार की जा रही थी और किस तरह हुतू हथियारबन्दों को उकसाया जाता था कि वह तुत्सी अल्पमत पर हमले करे। दक्षिण एशिया के एक शायर ने साधारण लोगों को दंगाई बनाने या हथियारबन्द गिरोह का हिस्सा बनाने की इस प्रक्रिया का एक छोटे शेर में बखूबी वर्णन किया है। श्आग मुसलसल जेहन में लगी होगी, यूं ही कोई आग में जला नहीं होगा। अगर हम भारत की ओर लौटें तो देख सकते हैं कि किस तरह यहां के भाषाई अखबाारों के बड़े हिस्से ने अस्सी के दशक तथा 90 के पूर्वार्द्ध में बेहद आक्रामकता के साथ बहुसंख्यकवादी एजेण्डा को आगे बढ़ाने का काम किया। हिन्दी अखबारों के हिन्दू अखबारों में रूपांतरण के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है.. हम याद कर सकते हैं कि किस तरह हिन्दी अखबारों के अच्छे खासे हिस्से की इस एकांगी भूमिका को लेकर जो जबरदस्त हंगामा मचा तो प्रेस कौन्सिल आफइंडिया की तरफ से प्रख्यात कवि पत्रकार रघुवीर सहाय की अगुआई में एक तथ्यान्वेषी टीम बनाई गई थी जिसने उत्तर भारत के प्रमुख शहरों में जाकर आम जनों तथा मीडिया के नुमाइन्दों से बात की थी, अपनी रिपोर्ट में इस आयोग ने हिन्दी अखबारों के मालिकानों एवं सम्पादकों की इस घृणित कार्रवाई को लेकर तीखी टिप्पणियां की थीं। वक्तघ् अब बदल गया है।

आज हम इस बात को देख रहे हैं कि किस तरह न्यू मीडिया - इंटरनेट, सोशल मीडिया आदि- उसने इस परिस्थिति को और गंभीर बनाया है। यह साफ होता जा रहा है कि रूपांतरकारी दिखने वाली डिजिटल टेक्नोलोजी को अगर अनैतिक ढंग से इस्तेमाल किया गया तो वह आसानी से एक धोखादायी राजनीतिक एजेण्डा को आगे बढ़ा सकती है और वह किस तरह निरंकुश सरकारों एवं जनविरोधी हुकूमतों को मजबूती दे सकती है। टेक्नोलोजी में तरक्की और इंटरनेट की आसान सुविधा ने अब एक साधारण व्यक्ति के लिए भी यह मुमकिन बनाया है कि वह अपने अदद स्मार्टफोन के जरिए ऐसी कोई शरारतपूर्ण खबर चला दे या ऐसी कोई तस्वीर शाया करे जो तुरंत वायरल हो जाए और देखते ही देखते पूरे शहर, इलाके को आगजनी और हिंसा के हवाले कर दे। ऐसी सूचनाओं के प्रोसेसर्स या उनके वाहक - जो विशालकाय डाटा कार्पोरेशन्स हैं- वह अधिक चुस्त रहें, सावधानी बरतें। वह न केवल 24 घंटे और सातों दिन चुस्त रहें बल्कि वह ऐसे फिल्टर्स भी कायम करें ताकि नफरत और दुर्भावना की बातों को फैलने से रोका जा सके या अगर ऐसी खबरें, सूचनाएं आती ही हैं तो उन्हें फैलने से रोका जाए। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस मामले में वह बुरी तरह असफल साबित हुई हैं। ऐसा नहीं है कि वह टेक्नोलोजिकल पैमानों पर इसे कर नहीं सकतीं, बखूबी कर सकती है, मगर उन्हें ऐसा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। पिछले साल के क्राइस्टचर्च आतंकी हमले को ही देखें। वह आतंकवादी, जिसने अपने नफरत भरे वक्तव्य को - जिसमें मुस्लिम आप्रवासियों के खिलाफ जहर उगला गया था - आनलाइन जारी किया था, उसने अपने इस हत्याकाण्ड को फेसबुक पर बाकायदा लाइव किया था। यह देखना विचलित करने वाला था कि इस लाइव,सजीव प्रसारण को लेकर फेसबुक कुछ भी नहीं कर सका, हत्या एवं हिंसा के इस सजीव प्रसारण को लेकर गोया उसने अपने हाथ पांव खुद बांध दिए थे। या हम म्यांमार में रोहिंग्याओं के खिलाफ हिंसा को फेसिलिटेट करने में फेसबुक ने एक तरह से निभाई भूमिका की बात कर सकते हैं, जिसे लेकर उसे पश्चिमी देशों की ही नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्रसंघ की आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था। फेसबुक के इस व्यवहार के लिए उसे अमेरिकी सीनेट के सामने भी माफी मांगनी पड़ी और माफी के बावजूद म्यांमार में नफरत भरे वक्तव्य फेसबुक पर चार माह बाद भी पाए जाते रहे। फेसबुक की इंडिया स्टोरी यही बताती है कि उसने वही किया जो कम्पनी अंतरराष्ट्रीय स्तर करती आई है। वॉल स्टीट जर्नल की ताजा रिपोर्ट ने, नफरती वक्तव्यों को लेकर फेसबुक की पॉलिसी और भारतीय राजनीति आपस में टकरा रही है, इस पर लिखा है। और इस हकीकत से आंख नहीं मोड़ा जा सकता कि फेसबुक की कम्पनी एक्जिक्युटिव ने राजनेताओं के विवादास्पद पोस्ट हटाने का विरोध किया थाश् और सत्ताधारी पार्टी के प्रति अपना पक्षपाती रवैया पेश किया था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि विशालकाय सोशल मीडिया कार्पोरेशन्स की तरफ से ऐसे पूर्वाग्रही कदमों के पीछे आर्थिक कारण होते हैं, मगर वह उनके अपने विश्वनजरिये को भी उजागर करता है।

सम्पादकीय

कूटनीतिक तरीके से पीछे हटाएं चीन को

सीमा विवाद को लेकर भारत और चीन के बीच जारी वार्ता असफल होती नजर आ रही है. चीन की तरफ से कोई बयान नहीं आया है. अब हमें फैसला करने की जरूरत है. हमारी तरफ से वार्ता के माध्यम से हल निकालने का प्रयास अभी भी जारी है. कहा जा रहा है कि मिलिट्री कमांडर स्तर की एक राउंड की और वार्ता होगी. डिप्लोमैटिक स्तर, डब्ल्यूएमसीसी, मिलिट्री कमांडर स्तर पर, अब कुछ आगे-पीछे होना नहीं है. क्योंकि चीन को जो करना था, वह कर चुका है. हमें समय चाहिए. अमेरिका या रूययस की तरफ से बैक चौनल की कोशिश हो रही होगी. मैं समझता हूं कि रूस की तरफ से भारत कोशिश कर रहा होगा कि सीमा पर तनाव को कम किया जाये.पहले वे दो-तीन जगहों से हटें, कुछ तो गुंजाइश दिखे, जिसे स्वीकार किया जा सके. लेकिन, सीडीएस ने सैन्य विकल्प की बात की है. हालांकि, उसका अभी सवाल ही नहीं है. चीन के साथ-साथ अगर छोटे-मोटे युद्ध की बात करें, तो 1967 में नाथूला में ऐसा हो चुका है. लेकिन, मैं नहीं समझता इस दफा छोटा-मोटा युद्ध होगा. सैन्य स्तर पर हमें जो करना चाहिए था, वह हमने नहीं किया. जब ये लोग पांच-छह जगहों पर घुसे, तो हमें भी एक-दो महीने पहले ही कुछ जगहों पर कब्जा कर लेना चाहिए था. उसकी बात अभी की जा रही है.

सैन्य तैयारी के लिहाज से दोनों देशों के तोपखानों, टैंकों, हवाई जहाजों, नेवी समेत हरेक स्तर पर आंकड़े प्रदर्शित किये जा रहे हैं. हमारे मुकाबले उनकी संख्या दोगुने से भी ज्यादा है. हमारे यहां कहा जाता है कि हम माउंटेन वारफेयर (पहाड़ी इलाकों की लड़ाई) में बेहतर हैं. चीनी लोग भी तिब्बत में 14000 फीट की ऊंचाई पर रहते हैं. हमारे यहां मद्रास, राजस्थान आदि जगहों से आये सैनिक दो-तीन साल के लिए तैनात होते हैं. चीनी तो ठंडे मौसम में पहले से ही रहते हैं. हमें इस पर ज्यादा नहीं सोचना चाहिए, क्योंकि यह वैसी लड़ाई नहीं है. लड़ाई लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर होगी, यह देपसांग, पैंगोंग सो और हॉट स्प्रिंग आदि पहाड़ी इलाका नहीं है. ये तिब्बत का पठार इलाका है.हमें यह भी ख्याल रखना है कि हमें दो मोर्चों पर सामना करना है. चीन और पाकिस्तान दोनों साथ आ सकते हैं. भारत-चीन की सेनाएं डोकलाम में भी आमने-सामने थीं, लेकिन वह भूटान से जुड़ा मामला था, वह अलग है. डोकलाम भूटान और चीन के बीच विवादित क्षेत्र है. हम उसमें शामिल हो गये, क्योंकि हमारा भूटान के साथ सुरक्षा समझौता है. उसकी तुलना एलएसी विवाद के साथ नहीं हो सकती है. अभी की स्थिति अलग है. चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ तीन महीने के बाद बोल रहे हैं, उन्हें शुरू में ही बोलना चाहिए था, अब कह रहे हैं कि हम भी कब्जा कर सकते हैं.अभी ब्रिक्स और एससीओ की बैठक होनेवाली है. अगर ये वर्चुअल मीटिंग है, तो आमना-सामना नहीं होगा. लेकिन, अगर ब्रिक्स की बैठक फिजिकल होगी, तो इनकी मुलाकात हो सकती है. रूस तो भारत और चीन दोनों का ही मित्र है. ऐसे स्तर की बातचीत बहुत जरूरी है. क्योंकि अगर हम अक्तूबर तक पहुंच गये, तो वहां हम एक-दो साल लटके रहेंगे. चीन यही चाहता है, उसने आपसे 30 से 40 हजार अतिरिक्त सैन्य तैनाती करवा दी है.अभी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल एलओसी बन गया है. आगे कुछ हरकत होगी, तो बड़े स्तर पर कार्रवाई तय है. स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव ने एक बार वार्ता करके छोड़ दी. इन्हें दोबारा वार्ता करनी चाहिए. मिलिट्री कमांडर स्तर की वार्ता बिल्कुल समय जाया करने की बात है. अगर कुछ नतीजा निकलना है, तो विदेशमंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर की वार्ता होनी चाहिए.भारत अपनी साइड पर है, वह चीन की शर्त क्यों मानेगा. चीनी जब ऐसी वार्ता में आते हैं, तो वे ऐसी शर्तें रखते हैं. यहां चीन ने कब्जा किया है, भारत ने नहीं किया है. वे लोग बफर जोन की बात करते हैं. हम क्यों अपनी जमीन पर बफर जोन बनायेंगे. गलवान में कुछ बफर जोन बने हैं. देपसांग में उन्होंने हमारी पेट्रोलिंग भी बंद करा दी है. चीन को जो कराना था, उसने करा दिया है. अब हमें वहां डटकर बैठना है. कूटनीतिक तरीके से उन्हें पीछे हटाना है. इसमें मिलिट्री विकल्प इस्तेमाल नहीं हो सकता है. फौजें हमेशा तैयार रहती हैं. पिछले कुछ दिनों हमने जो तैयारी की है, वह लद्दाख और पैंगोंग रेंज पर है. वहां हमारा गतिरोध बना हुआ है.इन दोनों पहाड़ियों पर विवाद की स्थिति है. हम अभी 60-70 किलोमीटर आगे एलएसी पर हैं. एलएसी पर लड़ने का कोई मतलब ही नहीं था. हमें तो पीछे लड़ना है. अब एलएसी पर लड़ने की तैयारी करनी होगी, हालांकि, उसका खाका बन गया होगा. हथियारों और राशन का वहां भंडारण किया जा चुका है.ठंड से पहले 31 अक्तूबर तक यह सब इकट्ठा करने का काम पूरा करना पड़ेगा. क्योंकि 1 नवंबर के बाद गाड़ियां नहीं चलेंगी.

कोरोना संक्रमण काल में विज्ञान

कोरोना संक्रमण काल में आधुनिक ज्ञान परंपरा की धुरी विज्ञान, कुछ हद तक अस्थिर हो गया है. ऐसा नहीं है कि आधुनिक विज्ञान को इस प्रकार की अस्थिरता का सामना पहली बार करना पड़ रहा है. 19वीं सदी के अंत में कला, साहित्य और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में स्वछंदतावाद (रोमांटिसिज्म) इसका एक उदाहरण है. 15वीं और 16वीं शताब्दी से लगातार ही आधुनिक ज्ञान के विमर्श को विभिन्न दृष्टिकोणों से कटघरे में खड़ा किया गया है. यूरोप में नवजागरण ने जहां इस ज्ञान परंपरा को रिलिजन की परिधि से दूर ले जाकर एकयांत्रिकी, एकरेखीय दिशा में खड़ा किया, वहीं इससे उपजे समाज विज्ञान ने तर्क केंद्रित विज्ञान को सार्वजनिक जीवन के केंद्र में स्थापित किया. राष्ट्र-राज्य परिकल्पना में विज्ञान की निश्चित भागीदारी तय की गयी. विकास के राज्यपोषित स्वप्न से विज्ञान का संबंध, वैचारिक प्रतिबद्धताओं से परे, एक अनिवार्य शर्त माना गया. यह मानववाद का चरम बिंदु ही था, जब इस वैज्ञानिक विकास को व्यक्ति की स्वतंत्रता, अधिकार और समानता से लक्षित किया गया. जॉन ग्रे अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'स्ट्रॉडॉग्स' में इसे बखूबी स्थापित करते हैं, 'आधुनिक विज्ञान का जो स्वरुप हमारे सामने आया, वह मोटे तौर पर यूरोपीय ईसाई धर्म के एक हिस्से के मूल सिद्धांतों का ही नवीन संस्करण था.'

संक्रमण काल के इस चुनौतीपूर्ण दौर में दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र का मुखिया फिनायल के इंजेक्शन से और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधान सेवक ने लॉकडाउन से वायरस के प्रसार पर रोक लगाने की अनूठी पहल की.सभी खबरिया चौनल और सोशल मीडिया के माध्यम, विज्ञान का लैब प्रतीत हो रहे हैं. वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर हमें सुझाया गया कि मास्क सिर्फ उनके लिए आवश्यक है , जो संक्रमित है. फिर जल्द ही यह स्थापित किया गया कि यह सभी के लिए अनिवार्य है. यहां से बहस ने एक नयी दिशा पकड़ी कि किस प्रकार का मास्क वायरस को नाक में दम करने से रोक सकेगा. एन95 से गमछे तक का वैज्ञानिक अन्वेषण और निष्कर्ष हमने कुछ एक सप्ताह में तय कर लिया. सोशल डिस्टेंसिंग पर भी लंबी बहस जारी है कि कितने गज की दूरी हमें कोरोना से दूर रखेगी.इतना ही नहीं, विज्ञान से उपजे ज्ञान ने हमें समझाया कि सैनिटाइजर ही वह अचूक बाण है जिससे हम कोरोना को अंगूठा दिखा सकते हैं. अभी लोगों ने इसे बाजार से खरीदा ही था कि साबुन और पानी से हाथ धोने को वैज्ञानिकों ने सर्वोत्तम घोषित कर दिया. क्या कोरोना हवा से भी फैल सकता है या जिसे एक बार संक्रमण हो गया, उसे दोबारा संक्रमित होने का कितना खतरा है, इस पर भी जानकारी की भरमार है. परंतु, असमंजस भी उतना ही है. बायोकेमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी अभी कोरोना संक्रमण के विज्ञान की कई परतों को खोल पाने में असफल साबित हुए हैं. इससे विचलित बहुत से वैज्ञानिक अब इन विधाओं को पुनर्प्रतिपादित करने की बात कर रहे हैं. कुछ अर्थों में, आधुनिक विज्ञान के अंह का दंश झेल रहे पूरे विश्व को वर्तमान संकट में विज्ञान की सीमितता के बखूबी दर्शन हुए. ऐसे समय में विज्ञान की ज्ञान परंपरा के पुनःमूल्यांकन की बात भी हो रही है.हाल ही में, हॉवर्ड मेडिकल स्कूल के विक्रम पटेल ने विज्ञान से उपजे ज्ञान की सीमा को रेखांकित करते हुए कहा, 'आधुनिकता के साथ आये इस दंभ कि हम सब कुछ जानते हैं, इसलिए सबकुछ नियंत्रित कर सकते हैं, से आगे जाकर कुछ स्थापित वैज्ञानिक अब विज्ञान की सीमितता को स्वीकार करने, उसे पुनर्परिभाषित करने तथा मानवीय विमर्श में 'हम सब कुछ नहीं जान

सकते' को पुनर्स्थापित करने पर जोर देने लगे हैं. विख्यात पर्यावरणविद, अनुपम मिश्र ने आधुनिक ज्ञान परंपरा के आंतरिक संकट को रेखांकित करते हुए कहा था, 'पिछले दो सौ बरसों में नये किस्म की थोड़ी सी पढ़ाई पढ़ गये समाज ने सदियों से अर्जित पारंपरिक ज्ञान-विमर्शों को शून्य ही बना दिया है.' आधुनिक विज्ञान के संकट का दूसरा आयाम सामाजिक न्याय से सीधा जुड़ता है.एक लंबे समय से देश और पूरे विश्व में सामाजिक न्याय की लड़ाई मानवीय तर्क, बुद्धि और चेतना की कसौटी पर कसी गयी. इस क्रम में हम प्रकृति से अंतरंग सामंजस्य स्थापित करने में पूर्णतः असफल सिद्ध हुए हैं. ब्रूनो लातूर, एक्टर-नेटवर्क सिद्धांत के माध्यम से शायद यही दर्शाने का प्रयत्न कर रहे हैं कि भविष्य में और शायद अब वर्तमान में ही, किसी भी विमर्श को मानव केंद्रित न करके सभी प्रकार के जीव और अजीव कारकों को संज्ञान में लेना होगा. 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उतनी उसकी भागीदारी', के सामाजिक न्याय से कुछ कदम और आगे जाकर हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मनुष्य समेत पृथ्वी पर जो कुछ भी है, उसकी गणना न्याय के सिद्धांत में अनिवार्य रूप से की जाये.शायद यह सही समय है कि हम विनोबा के दिये दो मंत्रों को फिर से याद कर लें. पहला, अज्ञान भी एक प्रकार का ज्ञान है. विनोबा का इशारा आधुनिक चिंतन परंपरा में व्याप्त हठधर्मिता को रेखांकित करने और समर्पण भाव से ज्ञान अर्जित करने की तरफ है. दूसरा, 'समाज की सभी संस्थाएं नारायण-परायण बनें', हमें सामूहिक दायित्व का बोध कराता है. इन संस्थाओं को, चाहे वे राजनितिक, आर्थिक, सांस्कृतिक या वैज्ञानिक हों, अपनी सीमितताओं को संज्ञान में लेना ही होगा. अतः इस क्रम में न सिर्फ विज्ञान बल्कि, सामाजिक विज्ञान को भी एक बार फिर से नये प्रयास करने होंगे.

सर दोराबजी टाटा, एक युगपुरुष जिसने टाटा स्टील की नींव रखी

टाटा समूह का इतिहास और पूर्व के कुछ दशकों की इसकी कहानी तीन हस्तियों, जमशेदजी टाटा, दोराबजी टाटा और जेआरडी टाटा की जीवनी के रूप में भी कही जा सकती है. जमशेदजी को हमेशा उनकी लंबी टोपी और लहरदार सफेद दाढ़ी में एक बुजुर्ग पारसी व्यवसायी और एक ऐसी हस्ती के रूप में याद किया जाएगा, जिसने 'निजी उद्यम भारत जैसे देश को कैसे रूपांतरित कर सकते हैं' पर पहला विजन दिया. सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले समूह के चेयरमैन के रूप में जेआरडी को उस व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा, जिसने 21वीं सदी के लिए टाटा और भारतीय उद्योग को तैयार किया था. इन दिग्गजों के मध्य में सर दोराबजी हैं, जिन्होंने वास्तव में 20 वीं शताब्दी के दो भीषण युद्ध के बीच समूह की नींव रखी. आज, समूह के तीन सबसे सुनहरे रत्न, टाटा स्टील, टाटा पॉवर और टाटा केमिकल्स, उनकी दूरदर्शिता और अपने समय की बेजोड़ दृढ़ता के प्रतिफल हैं. लेखक आर एम लाला ने 'ऑफ क्रिएशन ऑफ वेल्थ ' नामक अपनी पुस्तक में, जो टाटा ग्रुप की प्रभावशाली औद्योगिक जीवनी है, दोराबजी के जीवन के कुछ बहुत ही रोचक ऐतिहासिक तथ्यों का उल्लेख किया है, जो 'अपने समय के पुरुष' की एक छवि के रूप में उनको चित्रित करते हैं. जब एडिसन, फोर्ड और वेस्टिंगहाउस जैसे लोग पश्चिम का निर्माण कर रहे थे. टाटा हाइड्रो,इलेक्ट्रिक कंपनी (अब टाटा पॉवर) में दोराबजी और उनके सहयोगियों द्वारा विद्युतीकरण के पहले से मिल मालिकों से पुराने बॉयलर खरीदना एक टेक्स्ट बुक केस है, जो दर्शाता है कि किस प्रकार एक बाजार का निर्माण किया जा सकता है. बैंक ऋण के लिए अपनी पूरी व्यक्तिगत संपत्ति 1 करोड़ रुपये में गिरवी रखने की कहानी, जिसने 1920 के दशक की शुरुआत में टाटा स्टील को बचाया था, भारत के आर्थिक

इतिहास के निर्णायक क्षण बन गये हैं. संभवतः दोराबजी की छवि को लेकर एक सबसे प्रीतिकर घटना एक बैलगाड़ी में सोडा वाटर के साथ चाय बनाने की कोशिश करते हुए मध्य भारत में लौह-अयस्क की खोज करना है. डेढ़ सदी से अधिक समय तक केवल 8 लोगों ने 113 बिलियन के टाटा समूह की जिम्मेदारी संभाली है. इनमें से प्रत्येक की विरासत काफी हद तक अद्वितीय रही है और कुछ मामलों में, उल्लेखनीय रूप से साहसिक है. दोराबजी के नेतृत्व में 28 वर्ष न केवल समूह के चेयरमैन के पद के लिए दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल है, बल्कि कंपनी के इतिहास की एक महत्वपूर्ण अवधि भी है. लोग आसानी से यह भूल जाते हैं कि जब राजनीतिक नेता देश की आजादी के लिए लड़ रहे थे तब जमशेदजी, दोराबजी और उनके लोग भारत को आयातित स्टील से मुक्त करने की कोशिश कर रहे थे. शायद दोराबजी जैसे नेतृत्वकर्ता के लिए आर्थिक स्वतंत्रता एक देश की स्वतंत्रता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था और अगर वे आज जीवित होते, तो वे वर्तमान सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अग्रणी चौंपियन में से एक होते. दोराबजी पेशेवर खेलों के गहन प्रतिबद्ध संरक्षक थे और इस क्षेत्र में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है. उन्होंने 1920 के एंटवर्प ओलंपिक में चार एथलीटों और दो पहलवानों को भेजा, जो खेल के क्षेत्र में महान योगदान की उनकी फलदायी यात्रा की पहली कड़ी थी. इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के एक प्रतिष्ठित सदस्य बनने से पहले, उन्होंने इंडियन ओलंपिक काउंसिल के चेयरमैन के रूप में कार्य किया, जिसके दौरान उन्होंने 1924 में पेरिस ओलंपियाड के लिए भारतीय टीम को वित्तपोषित किया. चाहे फुटबॉल हो, हॉकी हो या पेशेवर पर्वतारोहण हो, खेल के क्षेत्र में टाटा स्टील के कार्य दोराबजी द्वारा रखी गयी मजबूत नींव पर ही किए जा रहे हैं. शायद उनके सभी योगदानों में सबसे बड़ा योगदान 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस' हैदृ एक सपना, जिसने 1883 में एक पानी के जहाज पर आकार लिया था, जब जेएन टाटा ने स्वामी विवेकानंद से मुलाकात की थी और लगभग दो दशक बाद दोराबजी ने इसे साकार किया. दोराबजी के जीवन की यात्रा का समापन ऐसे समय हुआ, जब दुनिया महामंदी के बीच थी. इसके बाद के दशक में द्वितीय विश्व युद्ध हुआ और दुनिया पूंजीवाद व साम्यवाद जैसे चरम राजनीतिक,आर्थिक विचारों के बीच विभाजित हो गयी. दोराबजी जैसे नेतृत्वकर्ताओं ने जिस प्रकार के पूंजीवाद को जिया, उसमें इस तरह के द्वैतवाद की गुंजाइश बहुत कम थी. उन्हें अपने पिता के सपने और पैतृक संपत्ति विरासत में मिली थी और अगले कुछ दशकों में अपने पीछे अपनी बनाई विरासत छोड़ गये. सर दोराबजी टाटा को हमेशा उस व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने टाटा समूह की नींव रखी थी.

सार समाचार .....

हॉकी इंडिया पर खेल संहिता के उल्लंघन का आरोप

नयी दिल्ली **एजेंसी।** दिल्ली हाईकोर्ट ने हाकी इंडिया पर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाने वाली एक याचिका के संबंध में केंद्र सरकार और इस खेल महासंघ से अपना पक्ष रखने के लिये कहा। याचिका में कहा गया है कि हॉकी इंडिया ने आजीवन सदस्य, आजीवन अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पदों को सृजित करके खेल संहिता का उल्लंघन किया क्योंकि नियमों के तहत इन पदों का सृजन नहीं किया जा सकता है। चीफ जस्टिस डीएन पटेल और जस्टिस प्रतीक जालान की पीठ ने एक पूर्व हॉकी खिलाड़ी की याचिका पर खेल मंत्रालय, हॉकी इंडिया और उन 2 व्यक्तियों के लिये नोटिस जारी किये जिन्हें इस खेल संस्था में आजीवन सदस्य और सीईओ नियुक्त किया गया है। अदालत ने इनसे 28 सितंबर तक अपना पक्ष रखने के लिये कहा है। भारत की 1975 की विश्व कप विजेता टीम के सदस्य असलम शेर खान ने अपनी याचिका में हॉकी इंडिया के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) में उन अनुच्छेदों को हटाने की मांग की है जिनके तहत आजीवन सदस्य, आजीवन अध्यक्ष और सीईओ पद सृजित किये गये जिनके पास असीमित कार्यकाल और पूर्ण मतदान अधिकार हैं। एडवोकेट वंशदीप डालमिया के जरिये दायर की गयी याचिका में नरिंदर ध्रुव बत्रा की आजीवन सदस्यता और इलेना नोर्मन की सीईओ के रूप में नियुक्ति रद्द करने की मांग भी की गयी है। याचिका में कहा गया है कि खेल संहिता और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के लिये आदर्श चुनाव दिशानिर्देशों के तहत किसी खास अवधि के लिये 7 पदाधिकारियों और 5 अतिरिक्त सदस्यों को ही चुना जा सकता है और हॉकी इंडिया ने जो 3 पद सृजित किये हैं वे इसके अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ में भी आजीवन सदस्य सृजित करने संबंधी इसी तरह के प्रावधानों को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था।

सुनील गावसकर ने कहा कपिल देव भारत के सर्वकालिक महान क्रिकटेर

नई दिल्ली एजेंसी। महान बल्लेबाज सुनील गावसकर ने कपिल देव को भारत का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर कहा है। गावसकर ने कहा है कि उन्हें इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि कपिल देव भारत के ऑल टाइम बेस्ट क्रिकेटर हैं। गावसकर ने कपिल को कम्प्लीट क्रिकेटर कहा है। गावसकर ने कहा है कि 1983 के विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव हमेशा भारत के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर रहे हैं। गावसकर ने कहा, सबसे ऊपर कपिल देव होंगे मेरे लिए वह सर्वश्रेष्ठ हैं। सबसे आगे कपिल देव होंगे। गावसकर के शब्दों में कपिल खेल के हर आयाम पर अपना असर रखते थे। गावसकर ने इंडिया टुडे के साथ बातचीत में कहा, कपिल देव देश के लिए बल्ले और गेंद दोनों से मैच जीत सकते थे। उन्होंने कहा, वह गेंद और बल्ले दोनों से मैच जीत सकते थे। वह विकेट लेकर आपको मैच जितवा सकते थे। वह तेजी से 80-90 रन बनाकर मैच का रुख पलट सकते थे उन्होंने बल्ले से भी प्रभाव डाला और गेंद से भी। इसके अलावा हमें उनके कैच को नहीं भूलना चाहिए। तो कुल मिलाकर वह एक संपूर्ण क्रिकेटर थे।

वीरेंद्र सहवाग की विस्फोटक पारी और डेक्कन चार्जर्स हुई चारों खाने चित्त

दिल्ली | एजेंसी।

आईपीएल का ऐसा एक मंच है जहां सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम शेयर करने का काफी मौका मिलता है. साथ ही यह उन खिलाड़ियों के लिए कारगर साबित हुआ जो अपने देश के साथ-साथ अपने शहर के लिए भी खेलने में सक्षम रहे . उनमें से एक हैं टीम इंडिया के पूर्व विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग नजफगढ़ के नवाब के नाम से मशहूर सहवाग ने आईपीएल इतिहास में अपने खेल से कई झंड़े खाड़े हैं. लेकिन वीरू की सबसे खास पारी वह रही, जब साल 2011 के आईपीएल के दौरान सहवाग ने डेक्कन चार्जर्स के विरुद्ध अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा था. आईपीएल सीजन 4 के दौरान 46वां का मुकाबला दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) बनाम हैदराबाद डेक्कन चार्जर्स के बीच खेला गया था. इस मैच में दिल्ली के कप्तान वीरेंद्र सहवाग ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया था. डेक्कन चार्जर्स की टीम ने दिल्ली के सामने 20 ओवर में 176 रनों का बेहद चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा. दिल्ली इस आईपीएल सीजन में सबसे निचली टीमों में से एक थी. ऐसे में यह मैच दिल्ली के लिए एक तरीके से सम्मान की लड़ाई थी. ऐसे मे अपनी टीम को यह लड़ाई जीतने की पूरी जिम्मेदारी वीरेंद्र सहवाग ने अपने कंधों पर उठाई और कप्तानी पारी खेलते हुए अपने आईपीएल करियर का पहला शतक पूरा किया. इस मुकाबले में वीरू ने एक छोर संभाले रखा और 56 गेंदों में 13 चौके और 6 छक्कों की बदौलत 119 रनों की विस्फोटक पारी खेली. इस दौरान वीरू का स्ट्राइक रेट 212.50 का रहा था. सहवाग की इस धमाकेदार पारी की वजह से दिल्ली डेयरडेविल्स ने यह मैच 4 विकेट से जीत लिया. वीरू ने आईपीएल 2011 में खेले गए 11 मैचों में 424 रन भी बनाए थे. वीरेंद्र सहवाग ने काफी समय तक दिल्ली की टीम के लिए आईपीएल खेला. लेकिन बाद में वीरू ने कई सीजन पंजाब की टीम के लिए भी खेले. गौर किया जाए वीरेंद्र सहवाग के आईपीएल करियर पर तो वीरू ने 104 आईपीएल मैचों में 2 हजार 728 रन बनाए. इसके साथ ही सहवाग का करियर स्ट्राइक रेट 155.44 रहा. तो वहीं उन्होंने 2 शतक और 16 अर्धशतक भी जड़े. जबकि सहवाग का बेस्ट स्कोर 122 रन है. बता दें कि साल 2015 के बाद से वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल खेलना बंद कर दिया.

कोविड-19: मशहूर साइकिल रेस टूर डि फ्रांस पर अनिश्चितता के बादल छाए

नयी दिल्ली , एजेंसी। पूर्व में स्थगित कर दी गई मशहूर साइकिल रेस टूर डि फ्रांस कोविड-19 महामारी के कारण बनी अनिश्चितता के बीच शनिवार से शुरू होने वाली है. इसमें सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि 176 में से कितने चालक तीन हफ्ते तक चलने वाली रेस में संक्रमण से बचने में सफल रहेंगे. फ्रांस में फिर से कोविड-19 संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है और ऐसे में साइक्लिंग की मुख्य रेस आयोजित कराने से स्वास्थ्य का खतरा है. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो ने हालांकि जोर दिया था कि देश को वायरस के बीच सामान्य रूप से काम करना सीखना चाहिए. कोरोना वायरस के बीच रेस का आयोजन सुरक्षित रूप से करने में विफलता से खेलों के अन्य टूर्नामेंट के आयोजन पर भी संशय के बाद छा सकते हैं जिसमें अगले साल स्थगित किए गए टोक्यो ओलंपिक भी शामिल हैं. अहम सवाल होगा कि जोखिम उठाते हुए रेस का आयोजन करना समझदारी होगी या फिर इसे रद्द करना सुरक्षित रहेगा.

2.4 करोड़ में बिके यशस्वी इस साल आईपीएल में डेब्यू करेंगे

नई दिल्ली **एजेंसी।** राजस्थान रॉयल्स टीम ने यूएई में क्वारैंटाइन पीरियड पूरा करने के बाद ट्रेनिंग शुरू कर दी है। इस सीजन में टीम ने 2.4 करोड़ रुपए खर्च कर अंडर-19 वर्ल्ड कप में खेलने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अपने साथ जोड़ा है। वे आईपीएल में डेब्यू करेंगे। इससे पहले उन्हें अपने बचपन के कोच ज्वाला सिंह से गुरु मंत्र मिला है। कोच ने उन्हें शून्य से शुरुआत करने की सलाह दी है। यशस्वी के कोच ने न्यूज एजेंसी को बताया कि हमारी बुधवार रात को लंबी बातचीत हुई थी। वह युवा है और पहली बार आईपीएल खेलेगा। मैंने हमेशा उसकी काबिलियत पर यकीन किया है। उसने मुझे बताया कि क्वारैंटाइन में खुद को मानसिक रूप से शांत और फिट रखने के लिए वह योग का सहारा ले रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने उससे कहा कि यह नई यात्रा है और सबके सामने उसे खुद को साबित करने की जरूरत है। उसके लिए क्रिकेट का लंबा इंतजार खत्म हो रहा है। मैंने यशस्वी से कहा कि आपने पिछले 6-7 महीने से क्रिकेट नहीं खेली है। आप क्रिकेट जानते हैं, लेकिन आपको आईपीएल से पहले अपना आत्मविश्वास वापस हासिल करना होगा। आप दुनिया के सबसे बेस्ट खिलाड़ियों से मिलेंगे और आपको उनसे सीखना होगा। कभी पानीपुरी बेचकर अपना गुजारा करने वाले यशस्वी इस साल दक्षिण अफ्रीका में हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। लेकिन फाइनल में भारत को बांग्लादेश ने हरा दिया था। टूर्नामेंट में यशस्वी ने 6 मैच में 400 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए थे। अंडर-19 वर्ल्ड कप और घरेलू क्रिकेट में उनके प्रदर्शन को देखते हुए आईपीएल नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 20 लाख की बेस प्राइस से 12 गुना ज्यादा कीमत देकर 2.4 करोड़ रुपए में खरीदा था। यशस्वी ने अब तक 1 फर्स्ट क्लास और 13 लिस्ट-ए मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने कुल 799 रन बनाए हैं।

नस्लीय अत्याचार के विरोध में वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन से हटीं ओसाका

बार्सिलोना , **एजेंसी।** जापान की उभरती हुई महिला टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका अश्वेत नागरिक जैकब ब्लैक पर पुलिसकर्मी द्वारा की गई बर्बरता के विरोध में वेस्टर्न एंड सादर्न टेनिस ओपन के सेमीफाइनल से हट गई हैं। चौथी सीड ओसाका ने बुधवार को वर्ल्ड नंबर-12 एनेट कोंटावीट को 4-6, 6-2, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था, जहां गुरुवार को उनका सामना एलिसे मरटेंस से होना था।

ओसाका ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'हलो, जैसा कि आप में से कई लोग जानते हैं कि मैं कल अपना सेमीफाइनल मैच खेलने वाली थी। एक ऐथलीट होने से पहले, मैं अश्वेत महिला हूं। मुझे लगता है कि मेरे पास अभी बेहद महत्वपूर्ण मामले हैं जिन पर मुझे टेनिस खेलने के बजाय तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मेरे टूर्नामेंट में नहीं खेलने से मुझ पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा, लेकिन अगर मैं श्वेत प्रभाव वाले खेल में चर्चा शुरू कर सकती हूं तो यह सही दिशा में उठाया गया कदम होगा। पुलिस के अश्वेत लोगों पर लगातार अत्याचार से मैं वास्तव में बहुत आहत हूं। पुलिस के हाथों अश्वेतों का नरसंहार मुझे बीमार कर रहा है। मैं इन सबसे थक चुकी हूं। आखिर यह कब रुकेगा?।' इस बीच, अमेरिकी टेनिस संघ (यूएसटीए), एटीपी टूर और डब्ल्यूटीए ने एक संयुक्त बयान जारी करके कहा, 'एक खेल के रूप में टेनिस अमेरिका में नस्लीय असमानता और सामाजिक अन्याय के खिलाफ सामूहिक कदम उठा रहा है। यूएसटीए, एटीपी और डब्ल्यूटीए ने समय की नजाकत को समझते हुए वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टूर्नामेंट में 27 अगस्त, गुरुवार तक खेल बंद रखने का फैसला किया है।' हालांकि अभी यह तय नहीं है कि ओसाका टूर्नामेंट में खेलेंगी या नहीं क्योंकि शुक्रवार को टूर्नामेंट का समापन करना है।

इस पुलिस अफसर ने बदली थी पत्थर तोड़ने वाले दलीप सिंह राणा की किस्मत

नई दिल्ली , एजेंसी।

दलीप सिंह राणा उर्फ 'द ग्रेट खली' का जन्म 27 अगस्त 1972 को हिमाचल प्रदेश के एक छोटे से कस्बे धिरैना में हुआ था। उनके पिता ज्वाला राम साधारण किसान थे। दलीप सात भाई-बहन थे। हालांकि, राणा अलग डील-डौल वाले इंसान थे।

राणा का बचपन गरीबी में गुजरा। शुरुआती दिनों में वह पत्थर तोड़ते थे। उससे मिलने वाले पैसे से खर्चा चलाते थे। बाद में वह शिमला गए और वहां पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने लगे। उनकी किस्मत का दरवाजा 1994 से खुलना शुरू हुआ। खली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि तब पंजाब में उग्रवाद का दौर था। 1994 में महल सिंह भुल्लर पंजाब पुलिस में आईजी हुआ करते थे। उस समय उन्होंने नौजवानों को पंजाब पुलिस में भर्ती करने का माहौल बनाया था। ऐसा इसलिए था ताकि देश के युवाओं का उग्रवाद की ओर ध्यान नहीं जाए। उस समय रोजाना 200-300 लड़के पंजाब पुलिस में भर्ती होते थे। जिसकी भी अच्छी हाइट और अच्छी सेहत होती थी, तो उसकी भर्ती हो जाती थी। उनमें से मैं भी एक था। खली की हाइट 7 फीट एक इंच है। एमएस भुल्लर बाद में पंजाब पुलिस के डीजीपी भी रहे थे। भुल्लर और उनके अधिकारियों की नजर जब दलीप सिंह राणा पर पड़ी तो उन्होंने उनको पंजाब पुलिस जॉइन कराई। पंजाब पुलिस की नौकरी करते हुए राणा ने एक साल तक करीब शॉट पुट में अपने हाथ आजमाए। इसके बाद बॉडी बिल्डिंग करने लगे। हर कहानी में टर्निंग पॉइंट होता है। राणा की कहानी में भी टर्निंग पॉइंट आया। यह टर्निंग पॉइंट था केबल टीवी। राणा की रेसलिंग में एंट्री केबल टीवी की ही देन है।

राणा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह बॉडी बिल्डिंग करते थे, उसी समय नया-नया केबल टीवी आया था। उस पर जब पहली बार उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई (तब डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की फाइट देखी तो लगा कोई अंग्रेजी फिल्म है। उन्हें रेसलिंग देखना बहुत अच्छा लगता था। वह जब टीवी पर पहलवानों को लड़ते देखते और अपनी हाइट और अपने शरीर को देखते तो उन्हें लगता कि वह क्यों नहीं ऐसे रेसलर बन सकते हैं। उनके साथी भी उन्हें अंडरटेकर, बिग शो की तरह बताते थे। यह बात राणा के दिमाग में घर कर गई। इसके बाद उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई के बारे में पता किया और मित्र की मदद से ईमेल किया। डब्ल्यूडब्ल्यूई से हरी झंडी मिलने के बाद राणा ने पहली बार सैन फ्रांसिस्को में ट्रेनिंग ली। फिर चार साल तक जापान में ट्रेनिंग ली। जापान के बाद उन्होंने एक मूवी में काम किया। इसके बाद 2005 में वह डब्ल्यूडब्ल्यूई में गए। वहां जाकर दलीप सिंह राणा द ग्रेट खली बन गए। खली ने बड़े दिग्गज रेसलरों को हराकर डब्ल्यूडब्ल्यूई का खिताब अपने नाम किया था। खली 2014 तक में रहे।

निशिकोरी निगेटिव आए, लेकिन नहीं खेलेंगे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट

यहां मेरी कई यादें हैं. मैं क्लेकोर्ट पर शुरुआत करूंगा. शुक्रिया.' बुधवार को एक अन्य खिलाड़ी पोलोना हर्कोग ने अमेरिकी ओपन से हटने का फैसला किया,

दिल्ली | एजेंसी।

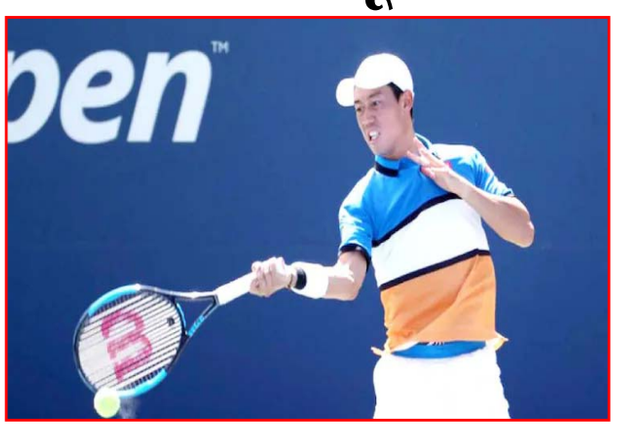

अमेरिकी ओपन 2014 के उपविजेता केई निशिकोरी ने कहा कि वह कोविड-19 की दो जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद नेगेटिव आए हैं. लेकिन फिर भी उन्होंने अगले हफ्ते से शुरू होने वाले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है.

निशिकोरी ने बुधवार को अपने मोबाइल एप पर लिखा कि वह धीरे-धीरे अभ्यास वापसी को तैयार हैं, लेकिन वह पांच सेट के मैचों में भाग लेने के लिए तैयार नहीं हैं. निशिकोरी के अनुसार, 'इतने लंबे ब्रेक के बाद मुझे लगता है कि 'बेस्ट ऑफ फाइव' जितने लंबे मैच में वापसी करना चतुराई भरा फैसला नहीं होगा, जब तक कि मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं हूं.' उन्होंने कहा, 'यह काफी निराशाजनक है क्योंकि मुझे अमेरिकी ओपन रास आता है और यहां मेरी कई यादें हैं. मैं क्लेकोर्ट पर शुरुआत करूंगा. शुक्रिया.' बुधवार को एक अन्य खिलाड़ी पोलोना हर्कोग ने अमेरिकी ओपन से हटने का फैसला किया, जिससे 2009 सेमीफाइनल में पहुंचीं यानिना विकमेयर मुख्य ड्रॉ में पहुंच गईं. निशिकोरी ने पिछले शुक्रवार को कहा था कि वह दूसरी बार कोविड-19 पॉजिटिव आए थे।

ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श का ये रिकॉर्ड पिछले 12 सालों से है बरकरार

नई दिल्ली | एजेंसी।

12 साल पहले मौजूदा समय में टी-20 क्रिकेट की सबसे बड़ी लीग आईपीएल के आयोजन की शुरुआत हुई थी. क्रिकेट की दुनिया में यह एक नया प्लेटफॉर्म तैयार हो रहा था. आईपीएल के पहले सीजन में कई ऐतिहासिक मुकाबले और रिकॉर्ड देखने को मिले. लेकिन सीधे शब्दों में कहा जाए, आईपीएल का सीजन 1 खासतौर पर ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज शॉन मार्श के नाम रहा था. 2008 के आईपीएल में शॉन मार्श ऐसा एक अनोखा कारनामा किया था, जो आईपीएल के 12 साल के इतिहास में वर्तमान समय में भी अमर है, मार्श के उस रिकॉर्ड को अब तक कोई भी खिलाड़ी तोड़ नहीं पाया है. आइए जानते हैं शॉन मार्श के उस अटूट रिकॉर्ड के बारे में दरअसल आईपीएल-1 में कंगारू प्लेयर शॉन मार्श ऑरेंज कैप विजेता बने थे. शॉन मार्श ने किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से खेलते हुए इस डेब्यू आईपीएल सीजन में सबसे अधिक 616 रन बनाए. मार्श के यह रन मात्र 11 मैचों के दौरान बनाए. इसके साथ ही मार्श ने इस सीजन में शॉन मार्श का बैटिंग औसत सबसे अधिक 68.44 का रहा. तो वहीं शॉन मार्श के बल्ले से 139.68 के स्ट्राइक रेट से 1 शतक और 5 अर्धशतकीय पारियां भी निकली थीं. अब ऐसे में शॉन मार्श का ऑरेंज कैप जीतना खास और ऐतिहासिक इस लिए है, क्योंकि मार्श अब तक आईपीएल इतिहास के इकलौते ऐसे अनकैप्ड बल्लेबाज हैं, जिन्होंने ऑरेंज कैप जीती. यानी साल 2008 के आईपीएल से पहले शॉन मार्श ने ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम के लिए क्रिकेट खेलना शुरू नहीं किया था. मार्श का यही वो अनूठा रिकॉर्ड है जो अब तक आईपीएल में कायम है. शॉन मार्श के बाद आईपीएल के इन 12 सालों में कोई अनकैप्ड बल्लेबाज ऑरेंज कैप नहीं जीत पाया है. आईपीएल की सफलता के बाद ही शॉन मार्श को कंगारू टीम में जगह मिली थी. आईपीएल-1 में शॉन मार्श की सबसे उम्दा पारी वो थी, जिसमें उन्होंने आईपीएल करियर का सर्वोच्च स्कोर बनाया था. आईपीएल 2008 का 56वां मुकाबला किंग्स इलवेन पंजाब और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया था. इस मैच में शॉन मार्श ने अपनी बेहतरीन फॉर्म का नजारा पेश करते हुए 69 गेंदों में 115 रनों ताबड़तोड पारी खेली थी. इस शतकीय पारी में शॉन मार्श ने 11 चौके और 7 छक्के भी लगाए थे. मार्श की दमदार पारी की वजह से पंजाब ने राजस्थान पर 41 रनों से जीत हासिल करने में सफलता प्राप्त की थी. हालांकि साल 2017 के बाद से शॉन मार्श ने आईपीएल का एक भी मैच नहीं खेला है.

जब कुलदीप और चहल ने किया शिखर धवन पर मजेदार कमेंट

नई दिल्ली | एजेंसी।

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज शिखर धवन पिछले हफ्ते ही आईपीएल के लिए यूएई पहुंचे है. उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है, फोटो में शिखर दुबई के मौसम का लुफ्त उठा रहे है. यह तस्वीर पोस्ट करने के कुछ मिनटों बाद ही कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल ने तस्वीर पर कमेंट किया. जहां कुलदीप ने शिखर के बालों का मजाक उड़ाया तो वहीं चहल ने धवन की पत्नी को लेकर कमेंट किया. कुलदीप ने लिखा बाल आ गए अब तो. इसके बाद चहल ने कमेंट करते हुए धवन को ट्रोल करने के लिए लिखा भाभी इस समय ऑस्ट्रेलिया में है सो नो पिटाई, समझे गए ना इसलिए बाल आ गए हैं, समझे रहे हो ना. समझ रहे हो ना शिखर धवन ने चहल को जवाब देते हुए लिखा बाबा हम तो पुराने चावल हो गए हैं, तुम अभी इंगेज हुए हो, तूं संभल कर चल नहीं तो आगे वाले दांत और भी बाहर न आ जाए, तू संभल कर चल. बता दें की शिखर धवन पिछले साल दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, उन्होंने 16 मुकाबले में 34.73 एवरेज के साथ 521 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल है. आईपीएल के 13वें सीजन का पहला मैच 19 सितंबर को खेला जाएगा, वहीं फाइनल 10 नवंबर को खेला जाएगा।

एक नजर.....

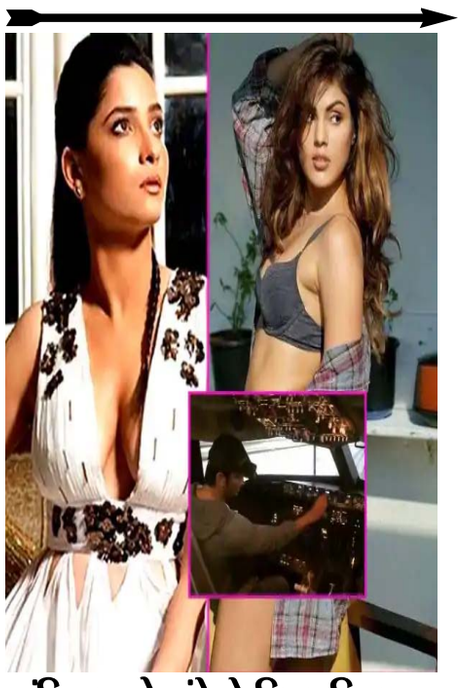

अंकिता लोखंडे ने दिया रिया चक्रवर्ती के बिना-सिर पैर की बातों का करारा जवाब

इस समय पूरा देश ये जानना चाहता है कि आखिर सुशांत सिंह राजपूत के असली गुनहगार कौन है? सुशांत सिंह राजपूत की लिवइन पार्टनर रिया चक्रवर्ती पर एक के बाद एक गंभीर आरोप लगते जा रहे है। रिया चक्रवर्ती ने कुछ घंटे पहले ही एक चैनल को इंटरव्यू दिया है, जिसकी काफी आलोचना भी की जा रही है। इस इंटरव्यू में रिया चक्रवर्ती ने सिर्फ यही बात कही है कि सुशांत सिंह राजपूत को बाइपोलर डिसऑर्डर से जूझ रहे थे। रिया चक्रवर्ती ने ये भी बताया है कि बीते साल के आखिरी में यूरोप ट्रिप पर जाने से पहले सुशांत सिंह राजपूत ने बताया था कि उन्हें क्लॉस्ट्रोफोबिया है। इसी के साथ रिया चक्रवर्ती ने ये भी कहा है कि सुशांत को साल 2013 में एंग्जायटी अटैक आए थे और तभी उन्हें पता चला था कि उन्हें क्लॉस्ट्रोफोबिया है और वो तभी से ट्रैवल करने से पहले इससे जुड़ी दवाइयां भी लेते रहे है। अब सुशांत सिंह राजपूत की एक्स गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे ने उनकी जमकर लताड़ लगाई है। अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया पर सुशांत सिंह राजपूत का एक पुराना वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो हेलीकॉप्टर में बैठे हुए नजर आ रहे है। इस वीडियो को शेयर करते हुए अंकिता लोखंडे ने कैप्शन में लिखा है कि, सपना...क्या ये क्लॉस्ट्रोफोबिया है? तुम हमेशा से उड़ना चाहते थे और तुमने ये किया भी था...और हम सभी को तुम पर गर्व है। क्लॉस्ट्रोफोबिया में इंसान को छोटी और सीमित जगह पर रहने या बैठने में डर लगता है। इस फोबिया के ग्रसित इंसान को ऐसा लगता है कि वो छोटी सी जगह में हमेशा-हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। इससे तुरंत पहले ही रिया चक्रवर्ती ने सोशल मीडिया पर अपने घर के बाहर का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए रिया चक्रवर्ती ने अपने परिवार के लिए प्रोटेक्शन की मांग की है। साथ ही ये बात भी कही है कि वो और उनका परिवार जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग करने के लिए तैयार है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने सुशांत सिंह राजपूत निधन मामले में केस दर्ज कर लिया है और जल्द ही रिया चक्रवर्ती का ब्लड सैंपल भी लिया जाएगा। रिया चक्रवर्ती द्वारा डिलीट किए जा चुके कई व्हाट्सऐप चैट से खुलासा हुआ है कि वो ड्रग्स पैडलिंग से जुड़ी हुई है।

सोशल मीडिया पर होता हूं तो काम पर असर पड़ता है: रवि दुबे

अभिनेता रवि दुबे को सोशल मीडिया पर वक्त बिताना ज्यादा पसंद नहीं है क्योंकि उनके मुताबिक इंटरनेट पर काफी ज्यादा समय बिताने के चलते उनकी कार्यक्षमता में कमी आती है। अभिनेता ने आईएएनएस को बताया, मुझे हर दिन ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया की दुनिया से अब मुझे डिसकनेक्ट होना पड़ेगा। जैसे एक शराबी को शराब की आदत लग जाती है वैसे ही अब ये सोशल मीडिया की खराब आदत लग चुकी है। साथ ही मुझे यह भी लगता है कि जब मैं सोशल मीडिया पर होता हूं तो कम प्रोडक्टिव होता हूं। सोशल मीडिया पर अधिक वक्त बिताने से मेरी कार्यक्षमता कम होती है। अब मैं इसमें कम समय बिताने की कोशिश करता हूं। मैं तो चाहता हूं कि सोशल मीडिया की दुनिया से पूरी तरह से डिसकनेक्ट हो जाऊं, लेकिन इस वक्त यह काफी जरूरी भी बन गया है। रवि ने हाल ही में आंकड़े शीर्षक के साथ एक कविता लिखी थी जिसमें बॉक्स ऑफिस के नंबर के पीछे इंडस्ट्री के पागलपन को बयां किया गया था। लॉकडाउन के दौरान रवि, बादशाह और पायल देव के गाने टॉक्सिक में अपनी पत्नी व अभिनेत्री सरगुन मेहता संग नजर आए थे।

ओटीटी रिलीज पर छाया अक्षय कुमार का सिक्का

कोरोना महामारी के चलते सिनेमा हॉल पर लगी तालाबंदी जो अभी तक भी जारी है। ऐसे में अब ज्यादातर फिल्मों को सीधा ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है,जिसमें अमिताभ बच्चन और आयुष्मान खुराना की फिल्म गुलाबो सिताबो, विद्या बालन की फिल्म शकुंतला देवी अक्षय कुमार की फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब, अजय देवगन की फिल्म भुज- द प्राइड ऑफइंडिया आदि शामिल हैं। वैसे इन फिल्मों को ओटीटी पर रिलीज होने के लिए इन्हें एक निश्चित धनराशि दी गई है,जिसमें सबसे ऊपर नंबर अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी की हॉरर कॉमेडी फिल्म लक्ष्मी बम का रहा है। अक्षय कुमार की फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है, इसे निर्माताओं ने 125 करोड़ रुपये की धनराशि में बेचा है। हालांकि इस फिल्म को कब रिलीज किया जाना है इसकी तारीख अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा अजय देवगन, सोनाक्षी सिन्हा, संजय दत्त ,नोरा फत्तेही और शरद केलकर जैसे सितारों से मिलकर बनी फिल्म भुज-द प्राइड ऑफइंडिया को भी डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने खरीद लिया है। फिल्म को निर्माताओं ने 110 करोड़ रुपये में खरीदा है। शूजित सरकार के निर्देशन में बनी फिल्म गुलाबो सिताबो में अमिताभ बच्चन और आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। बता दें,सबसे पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजॉन प्राइम वीडियो रिलीज हुई इस फिल्म को प्लेटफॉर्म में 65 करोड़ रुपये में खरीदा है। हाल ही में रिलीज हुई बायोपिक को नेटफ्लिक्स ने 50 करोड़ रुपये देकर खरीदा। यह बायोपिक गुंजन सक्सेना की है और इसका नाम गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्ल रखा गया। फिल्म में गुंजन का किरदार जान्हवी कपूर ने अदा किया है। फिल्म द बिग बुल और विद्युत जामवाल की एक्शन ड्रामा फिल्म खुदा हाफिज को एक साथ डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने पैकेज डील में खरीदा है। इसके लिए उन्होंने पहले 40 करोड़ रुपये और फिर बाद में 10 करोड़ रुपये की धनराशि चुकाई है। फिल्म में आपको अभिषेक बच्चन और इलियाना डिक्रूज साथ नजर आने वाले हैं। ह्यूमन कंप्यूटर के नाम से मशहूर शकुंतला देवी की बायोपिक को अमेजॉन प्राइम वीडियो ने 40 करोड़ रुपये में खरीदा है। फिल्म में विद्या बालन और सान्या मल्होत्रा दिखाई देंगे। ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने तीन फिल्मों की डील की थी,वैसे तो यह फिल्में सिनेमाघरों में ही रिलीज होने के लिए बनाई गई थीं,मगर अब कोरोना संकट के बीच एक भी फिल्म रिलीज नहीं होने के कारण इन्हें ओटीटी पर ही रिलीज करने का फैसला लिया गया। इसमें लूटकेस, दिल बेचारा और सड़क 2 शामिल है। इनमें से श्लूटकेसश् को 10 करोड़ रुपये खरीदा गया। जबकि दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म दिल बेचारा को प्लेटफॉर्म ने 40 करोड़ रुपये देकर खरीदा है। तो वहीं इन तीनों फिल्मों में सबसे महंगा फिल्म श्सड़क 2श् को खरीदा गया जिसके लिए 70 करोड़ रुपये चुकाए गए। अब यह सभी फिल्में ओटीटी पर रिलीज हो चुकी हैं। वैसे इन फिल्मों को दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यदि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर रिलीज की जाती तो इनके कलेक्शन ऊपर नीचे हो सकते थे।

हरियाणा के एक गांव के बच्चों के लिए एक्टर सोनू सूद ने भिजवाए स्मार्टफोन, आ रही थी ऑनलाइन क्लास लेने में दिक्कत

फिल्म अभिनेता सोनू सूद पिछले कई महीनों से जरूरतमंद लोगों की मदद करते आ रहे हैं और उनके मसीहा बनकर उभरे हैं। लॉकडाउन के दौरान हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूरों को सोनू सूद ने उनके घर जाने की व्यवस्था की साथ ही रोजगार और उनके रहने की व्यवस्था भी लगातार जारी रखा हुआ है। इस दौरान कई जरुरतमंद लोगों की स्टार ने मदद की। ऐसे में अब उन बच्चों के लिए स्मार्टफोन उपलब्ध सोनू सूद ने करवाए हैं जो ऑनलाइन क्लास से वंचित रहते थे। बता दें कि खबरों के अनुसार, हरियाणा के एक गांव की कहानी दिखाई जहां पर ऑनलाइन पढ़ाई करने में बच्चों को कई दिक्कतों का सामना हो रहा था। जब इस बारे में सोनू सूद को पता चला तो तो बच्चों की मदद के लिए सोनू सूद हमेशा की तरह आगे आए हैं और स्मार्टफोन गांव के सभी बच्चों के लिए सोनू सूद ने भिजवाए। एक खबर के मुताबिक, हरियाणा के गांव मोरनी में न ही नेटवर्क आते हैं और न ही स्मार्टफोन वहां के लोग खरीद सकते हैं। इसलिए ऑनलाइन क्लास लेने में बच्चों को परेशानी होती है। दरअसल जिस बच्चे के घर स्मार्टफोन है उसके घर गांव के सभी बच्चे जाते हैं और वहां पर अपनी ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं। इस कारण बहुत परेशानी बच्चों को होती है।इस खबर के बाद गांव के सभी बच्चों की मदद का फैसला सोनू सूद ने लिया। इसके अलावा जिस स्कूल में बच्चे पढ़ते हैं उसके प्रिंसिपल के लिए भी सोनू सूद ने स्मार्टफोन भेजा। उस गांव में स्मार्टफोन अपने दोस्त करण गिलहोत्रा के माध्यम से सोनू सूद ने भेजे। उसके बाअद वीडियो कॉल पर भी सभी बच्चों से सोनू सूद ने बात की। ट्विटर पर ट्वीट करते हुए सोनू सूद ने लिखा, सभी छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के लिए स्मार्टफोन मिलने के साथ मेरे दिन की एक शानदार शुरुआत। पढ़ेगा भारत तभी तो बढ़ेगा भारत। इतना ही नहीं जिस पत्रकार ने यह रिपोर्ट दी उसको भी सोनू सूद ने शुक्रिया कहा। हालांकि मदद करने की बात सोनू सूद ने इससे पहले कही थी और एक्टर ने मदद अगले दिन ही भेज दी।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के घर जल्द गूंजेगी किलकारियां

उन्होंने कहा था, संजू के सभी प्रशंसकों और शुभचिंतकोंको मैं उनके प्यार और गर्मजोशी के लिए धन्यवाद देती हूं.

बॉलीवुड की टैलेंटेड और खूबसूरत अदाकाराओं में से एक अनुष्का शर्माने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेगनेंसी की घोषणा कर सभी फैंस को एकदम हैरान कर दिया है। बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए अनुष्का शर्मा इस फोटो में अपने पति और भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर इस फोटो पोस्ट करने के बाद से फैंस और बॉलीवुड के ज्यादतार सेलेब्स कमेंट के जरिए अनुष्का और विराट को ये गुड न्यूज साझा करने के लिए बधाई दे रहे हैं। अनुष्का शर्मा ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया है, और फिर, हम तीन होंगे। आने वाला है जनवरी 2021 में।। इसका मतलब है कि अनुष्का पहले से ही अपनी दूसरे ट्राइमेस्टर में एंटर कर रही हैं। अनुष्का शर्मा इस फोटो में ब्लैक डॉटेड ड्रेस में काफी खुश नजर आ रही हैं, वहीं विराट कोहली ग्रे टी-शर्ट में अनुष्का के पीछे खड़े नजर आ रही हैं। अनुष्का और विराट की इस फोटो और गुड न्यूज सुनने के बाद आलिया भट्ट, तापसी पन्नू, वरुण धवन और सानिया मिर्जा समेत कई सेलिब्रिटीज ने कमेंट करते हुए इस कपल को बधाई दी है। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने 11 दिसंबर 2017 को इटली के टस्कनी में शादी रचाई थी। दोनों काफी लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रह थे। शादी के बाद इस कपल ने इंग्लैंड में रोमांटिक टूर भी किया था। अनुष्का शर्मा काफी लंबे से किसी फिल्म में भी दिखाई नहीं दी थी। लेकिन उनके प्रोडक्शन हाउस में बनी वेब सीरीज पाताल लोक ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया था। विराट कोहली भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान होने के साथ-साथ आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान भी हैं। खबरों की मानें तो आईपीएल 19 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर उर्वशी के तीन करोड़ फॉलोअर्स

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला के प्रशंसकों की संख्या इंस्टाग्राम पर तीन करोड़ हो गयी है। उर्वशी ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए एक नोट लिखा है और एक वीडियो कोलाज पोस्ट किया है। उर्वशी ने लिखा, इंस्टाग्राम पर तीन करोड़ फॉलोअर्स का आभार। आपको प्यार दोस्तो। मेरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। मेरी जिंदगी में आने और खुशियां देने के लिए शुक्रिया। मुझे प्यार देने और बदले में मेरे प्यार को स्वीकार करने के लिए आभार। खूबसूरत यादों के लिए शुक्रिया, मैं हमेशा इसे सराहूंगी। उर्वशी ने कहा कि मेरे सिर रखने के लिए अपना कंधा आगे बढ़ाने के लिए शुक्रिया। उन्होंने प्यार दिखाने के लिए प्रशंसकों का आभार जताया है।

फिल्मों में महिलाओं को कमतर नहीं दिखाया जाना चाहिए: भूमि

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का मानना है कि फिल्मों में महिलाओं को कमतर दिखाए जाने की सोच में अब बदलाव लाया जाना चाहिए क्योंकि अभिनेत्री के मुताबिक, महिलाओं के अंदर कई शक्तियां निहित हैं। भूमि कहती हैं, हमें लैंगिक भेदभाव के आधार पर बनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। महिलाओं और पुरुषों को दिखाए जाने के ढंग में परिवर्तन लाना चाहिए। महिलाओं को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए।

रिया ने मेरे बेटे सुशांत को जहर खिलाया , वह उसकी कातिल है: के.के. सिंह

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के पिता के.के. सिंह ने गुरुवार की सुबह खुलकर कहा कि अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती उनके बेटे को जहर दे रही थी और वह मेरे बेटे की कातिल है। यह बात सिंह ने एक वीडियो जारी कर कही। इसके साथ ही 15 सेकंड के इस वीडियो में सिंह ने सीबीआई से रिया और उसके साथियों को गिरफ्तार करने की मांग भी की। पारिवारिक सूत्रों द्वारा आईएएनएस के साथ साझा किए गए वीडियो क्लिप में सिंह ने कहा, ष्रिया मेरे बेटे सुशांत को जहर खिलाती थी। वह उसकी कातिल है। रिया और उसके साथियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हें इसकी सजा दी जानी चाहिए। बता दें कि सुशांत की मौत की जांच सीबीआई कर रही है। वहीं पिछले कुछ दिनों में सुशांत की मौत के पीछे बॉलीवुड, क्रिकेट जगत के ड्रग्स और दुबई के अंडरवर्ल्ड के बीच कथित संबंधों से जुड़े कारणों के नए अनुमान सामने आए हैं। के.के. सिंह पहले ही सुशांत की मौत के लिए रिया और उसके परिवार को आरोपी बताते हुए पटना में प्राथमिकी दर्ज करा चुके हैं।सुशांत 14 जून को अपने बांद्रा अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे।

सुशांत सिंह की गर्लफ्रेंड रिया करती थी ड्रग्स का सेवन? वकील ने एक्ट्रेस का बचाव कर दी ये सफाई

सुशांत सिंह राजपूत मामले में सीबीआई जांच चरम पर है और आये दिन चौंका देने वाले खुलासे हो रहे हैं। सीबीआई जांच में अब रिया चक्रवर्ती को लेकर एक और बड़े राज से पर्दा फाश हुआ है। जी हां बताया जा रहा है कि रिया एक ड्रग डीलर के संपर्क में बनी हुई थी। यह आरोप उनकी खुद की ड्रग डीलर के साथ वायरल हुई वार्तालाप के आधार पर है। हालांकि इस मामले में अब रिया चक्रवर्ती के वकील एक्ट्रेस के बचाव के लिए सामने आये हैं। रिया चक्रवर्ती के वकील का कहना है कि रिया ने अपनी पूरी जिंदगी में कभी भी ड्रग्स का सेवन नहीं किया है। वे किसी भी वक्त ब्लड टेस्ट करवाने को तैयार हैं। बता दें, सुशांत सिंह की मौत के मामले में सीबीआई जांच का आज 6वां दिन है। सीबीआई ने अपनी जांच में अब तक सीबीआई ने सुशांत के दोस्त सिद्धार्थ पठानी, सैमुअल मिरिंडा, हाउस कीपर और कुक नीरज से पूछताछ की है। वहीं खबर है कि सीबीआई जल्द रिया से पूछताछ कर सकती है।

हालांकि, अभी उन्हें समन नहीं भेजा गया है। मालूम हो कि लंबे समय से सुशांत का परिवार और उनके फैंस सीबीआई जांच की मांग कर रहे थे। अब गृह मंत्रालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने भी सीबीआई जांच को हरी झंडी दे दी थी। जिसके बाद से लगातार सुशांत मामले में कई गहरे राज सामने निकल कर आ रहे हैं। बताते चले कि 14 जून को सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून, 2020 को बांद्रा स्थित अपने फ्लैट पर फांसी लगाकर खुदखुशी कर ली थी। वहीं मुंबई पुलिस ने इसे आत्महत्या करार दिया था। हालांकि सुशांत के परिवार वाले और फैन्स इसे हत्या बता रहे हैं। वैसे सुशांत की मौत में आर्थिक पहलू की जांच कर रही ईडी भी रिया से दो बार पूछताछ कर चुकी है। अब देखना यह होगा आखिर सीबीआई जांच के लिए रिया को किस दिन बुलाया जाना है।

नागिन 5 में शरद मल्होत्रा को पहली बार विलेन के रुप में देखकर डर गई थीं पत्नी रिप्सी

एकता कपूर के सुपरनैचुरल टीवी शो नागिन 5 ने टीवी पर दस्तक देते ही फैंस का दिल जीत लिया है। दर्शक नागिन 5 की स्टारकास्ट की तारीफ करते थक नहीं रहे हैं। पहली बार नागिन 5 में शरद मल्होत्रा निगेटिव किरदार में नजर आ रहे हैं। शरद मल्होत्रा का ये अंदाज देखकर फैंस काफी हैरान है। लोगों को यकीन नहीं हो रहा है कि टीवी का चॉकलेट बॉय निगेटिव किरदार में इतना शानदार लग रहा है। कुछ ऐसा ही हाल शरद मल्होत्रा की पत्नी रिप्सी का भी है। पहली बार नागिन 5 में शरद मल्होत्रा को देखकर तो रिप्सी उनको पहचान ही नहीं पाईं। इस बात का खुलासा खुद शरद मल्होत्रा ने ही किया है। जब रिप्सी ने पहली बार मुझे नागिन 5 में देखा तो उसने कहा कि ये मेरा पति नहीं है। मेरा पति तो बहुत शांत रहता है और उसके चेहरे पर हमेशा स्माइल बनी रहती है। मेरी मां और रिप्सी दोनों ही मुझे बहुत मिस कर रही थीं। दोनों को ही संस्कारी शरद मल्होत्रा की तलाश है। आगे शरद मल्होत्रा ने कहा, मेरी मां मुझे बार बार एक ही बात कहती है कि मुझे मेरा संस्कारी बेटा वापस चाहिए। मुझे उसकी बहुत याद आ रही है। चाहे कुछ भी हो लेकिन रिप्सी और मां इस बात से बहुत खुश हैं कि मैं नागिन 5 का हिस्सा हूं। उनको नागिन का ये सफर काफी पसंद आ रहा है। सुरभि चंदना, मोहित सहगल और मुझे पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आ गई है कि हम कैसे नागिन 5 को और भी बेहतर बनाएंगे। अपने निगेटिव किरदार के बारे में बात करते हुए शरद मल्होत्रा ने कहा कि, %मेरा किरदार वीर का मुझ पर कोई असर नहीं हुआ है। रील लाइफ और असल जिंदगी में जमीन आसमान का अंतार होता है। जब हम अपना किरदार निभाते हैं तो हमको हर चीज का ख्याल रखना होता है। कई बार हम लोगों को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मुझे उम्मीद है कि लोग आगे भी मेरे किरदार को ऐसे ही प्यार देते रहेंगे।

रुबीना दिलाइक के जन्मदिन पर प्रकृति की गोद में

पार्टी करते नजर आए पति अभिनव शुक्लासीरियल शक्ति अस्तित्व के एहसास की में नजर आ चुकी टीवी अदाकारा रुबीना दिलाइक उन चुनिंदा खुशनसीब लोगों में से एक हैं जिन्होंने कोरोना वायरस आउटब्रेक के बीच भी जमकर मस्ती की है। रुबीना दिलाइक बीते कुछ समय से अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ होमटाउन शिमला में परिवार के साथ समय बिता रही हैं। यहां पर अक्सर रुबीना दिलाइक घर पर अपने दोस्त और परिवार के साथ धमाल मचाती नजर आ जाती हैं। अपने जन्मदिन के मौके पर भी रुबीना दिलाइक अपनी फैमिली के साथ जश्न मना रही हैं। आज रुबीना दिलाइक 33 साल को हो गई हैं। इस खुशी में रुबीना दिलाइक के पति अभिनव शुक्ला ने उनके लिए खास आउटडोर पार्टी का आयोजन किया है। इस बात का खुलासा खुद अभिनव शुक्ला और रुबीना दिलाइक दोनों ने किया है। कुछ समय पहले ही अभिनव शुक्ला ने सोशल मीडिया पर अपनी पार्टी की एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह अपनी पत्नी रुबीना दिलाइक को गले लगाए नजर आ रहे हैं। शेयर की गई तस्वीर में पहाड़ों की खूबसूरत वादियों के बीच रुबीना दिलाइक और अभिनव शुक्ला पिकनिक का मजा लेते नजर आ रहे हैं। अभिनव ने इस जगह को ढ़ेर सारे गुब्बारों के साथ सजाया है और समय बिताने के लिए टैंट का जुगाड़ भी कर लिया है। ये हसीन नजारा देखकर रुबीना दिलाइक ने अपने पति को धन्यवाद कहा। वहीं फैंस को भी रुबीना दिलाइक और अभिनव शुक्ला का जन्मदिन मनाने का ये तरीका बहुत पसंद आ रहा है। यही वजह है जो फैंस को अब रुबीना दिलाइक से जलन होने लगी है।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।